CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/1/2

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 1 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1(a). **वंदनीय तू कर्ण, देखकर तेज तिग्म अति तेरा,**
काँप उठा था आते ही देवत्वपूर्ण मन मेरा।
किन्तु, अभी तो तुझे देख मन और डरा जाता है,
हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है।
दीख रहा तू मुझे ज्योति के उज्ज्वल शैल अचल-सा
कोटि-कोटि जन्मों के संचित महापुण्य के फल-सा
त्रिभुवन में जिन अमित योगियों का प्रकाश जगता है
उनके पूँजीभूत रूप-सा तू मुझको लगता है।
खड़े दीखते जगतनियंता पीछे तुझे गगन में
बड़े प्रेम से लिए तुझे ज्योतिर्मय आलिंगन में
दान, धर्म, अगणित व्रत-साधन, योग, यज्ञ, तप तेरे
सब प्रकाश बन खड़े हुए हैं तुझे चतुर्दिक घेरे
मही मग्न हो तुझे अंक में लेकर इठलाती है
मस्तक सूँघ स्वत्व अपना यह कहकर जतलाती है
इसने मेरे अमित मलिन पुत्रों का दुख मेटा है,
सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है। [5 अंक]

1(a)(i). **'हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है।' – पंक्ति में 'हृदय सिमटने' का क्या आशय है ?** [1 अंक]

(A) आनंदित होना
(B) संकुचित होना
(C) दुखी होना
(D) प्रायश्चित होना

सही उत्तर: (B) संकुचित होना

हल:

अवधारणा:

- पंक्ति में मनोभाव और प्रसंग के आधार पर लाक्षणिक अर्थ पहचानना।
- उत्तर निर्धारित करते समय दी गई पंक्तियों के शब्द, उनका संबंध और वक्ता का भाव आधार बनते हैं।

चरण 1: भाव की पृष्ठभूमि देखें वक्ता कर्ण के तेज और महान पुण्य से अभिभूत है। वह कहता है कि कर्ण को देखकर उसका मन और डरता है तथा हृदय सिमटता हुआ भर आता है। इसलिए यहाँ केवल प्रसन्न होने का सहज भाव नहीं है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें हृदय सिमटने का सीधा आशय मन का संकुचित हो जाना है। (A) आनंदित होना इस संकोच को नहीं बताता। (C) दुखी होना सामान्य विषाद है, जबकि यहाँ कर्ण के विराट व्यक्तित्व के सामने मन सिमटता है। (D) प्रायश्चित होना किसी अपराध के पश्चात्ताप को कहता है; पंक्ति में ऐसा अपराध नहीं बताया गया।

चरण 3: निष्कर्ष हृदय सिमटने का आशय संकुचित होना है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: भावार्थ चुनते समय पहले समीप की पंक्ति में आया डर और फिर सिमटने का अर्थ जोड़ें।

1(a)(ii). काव्यांश में 'जगतनियंता' से किसे संबोधित किया गया है ? [1 अंक]

(A) चन्द्रमा को

(B) ब्रह्मा को

(C) कृष्ण को

(D) सूर्य को

सही उत्तर: (C) कृष्ण को

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में प्रयुक्त संबोधन का प्रसंगानुसार अर्थ पहचानना।
- उत्तर निर्धारित करते समय दी गई पंक्तियों के शब्द, उनका संबंध और वक्ता का भाव आधार बनते हैं।

चरण 1: संबंधित पंक्तियाँ पढ़ें कवि को कर्ण के पीछे आकाश में जगतनियंता खड़े दिखाई देते हैं। वे कर्ण को बड़े प्रेम से ज्योतिर्मय आलिंगन में लिए हुए हैं। जगतनियंता का अर्थ संसार का नियमन करने वाला परम दिव्य व्यक्तित्व है।

चरण 2: दिए गए नामों से मिलान करें इस प्रसंग में जगतनियंता का संकेत कृष्ण की ओर है। (A) चन्द्रमा प्रकाश देने वाला खगोलीय पिंड है; इस संबोधन का आशय नहीं है। (B) ब्रह्मा सृष्टिकर्ता हैं, पर यहाँ संबोधित व्यक्तित्व कृष्ण हैं। (D) सूर्य का उल्लेख आगे सूर्यपुत्र पद में कर्ण के पिता के रूप में आता है; उसे जगतनियंता का संदर्भ मानना उचित नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष जगतनियंता से कृष्ण को संबोधित किया गया है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: सूर्यपुत्र शब्द देखकर सूर्य न चुनें; जगतनियंता के स्वतंत्र संबोधन और प्रसंग को देखें।

1(a)(iii). दान, धर्म, व्रत तथा योग किस रूप में कर्ण को चारों ओर से सुरक्षित किए हुए है ? [1 अंक]

(A) भक्ति रूप में

(B) प्रकाश रूप में

(C) ऊर्जा रूप में

(D) धर्म रूप में

सही उत्तर: (B) प्रकाश रूप में

हल:

अवधारणा:

- पद्यांश से प्रत्यक्ष सूचना और उसके काव्यात्मक रूप को पहचानना।
- उत्तर निर्धारित करते समय दी गई पंक्तियों के शब्द, उनका संबंध और वक्ता का भाव आधार बनते हैं।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति खोजें कर्ण के दान, धर्म, व्रत-साधन, योग, यज्ञ और तप का उल्लेख करने के बाद कवि कहता है कि ये सभी प्रकाश बनकर उसके चारों ओर खड़े हैं। अत: प्रश्न का उत्तर अनुमान से नहीं, इसी स्पष्ट कथन से मिलता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों से अंतर करें (B) प्रकाश रूप में पंक्ति के शब्दों से सीधे मेल खाता है। (A) भक्ति रूप में नहीं कहा गया है। (C) ऊर्जा रूप में प्रकाश का एक सामान्य अर्थ जोड़ा जा सकता है, पर काव्यांश में प्रयुक्त निश्चित शब्द प्रकाश है। (D) धर्म गुणों की सूची का एक अंग है; सभी गुण किस रूप में घेरते हैं, उसका उत्तर धर्म नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष दान, धर्म, व्रत तथा योग प्रकाश रूप में कर्ण को चारों ओर से घेरे हुए हैं। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: सूचना आधारित प्रश्न में प्रश्न के प्रमुख शब्द खोजकर उनके ठीक बाद आया रूप या कारण पढ़ें।

1(a)(iv). 'मही' का अर्थ है : [1 अंक]

(A) धरती

(B) आकाश

(C) आग

(D) गोद

सही उत्तर: (A) धरती

हल:

अवधारणा:

- काव्य में प्रयुक्त शब्द का अर्थ उसकी क्रिया और प्रसंग से समझना।
- उत्तर निर्धारित करते समय दी गई पंक्तियों के शब्द, उनका संबंध और वक्ता का भाव आधार बनते हैं।

चरण 1: मही का प्रसंग समझें मही कर्ण को अपने अंक में लेकर इठलाती है और उसे अपना बेटा कहती है। आगे वह अपने दुखी पुत्रों के दुख दूर करने का उल्लेख करती है। यहाँ पृथ्वी को माँ के रूप में मानवीकृत किया गया है।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें मही का प्रचलित अर्थ धरती या पृथ्वी है, इसलिए (A) उपयुक्त है। (B) आकाश अलग तत्व है और उसे यहाँ माँ नहीं कहा गया। (C) आग का अर्थ अग्नि होता है, मही नहीं। (D) गोद के लिए इसी पंक्ति में अंक शब्द आया है; मही और अंक को एक अर्थ का मानना गलत होगा।

चरण 3: निष्कर्ष मही का अर्थ धरती है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: मही और अंक को अलग पहचानें: मही धरती है, जबकि अंक यहाँ माँ की गोद का बोध कराता है।

1(a)(v). सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है — काव्य-पंक्ति में 'मुझ' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? [1 अंक]

(A) कुंती

(B) राधा

(C) पृथ्वी

(D) अधिरथ

सही उत्तर: (C) पृथ्वी

हल:

अवधारणा:

- मही अर्थात पृथ्वी कर्ण को गोद में लेकर अपना बेटा कहती है।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: अंतिम पंक्ति के पहले पढ़ें पद्यांश में कहा गया है कि मही कर्ण को अंक में लेकर इठलाती है और फिर उसे अपना बेटा कहती है। इसलिए अगले कथन में प्रयुक्त प्रथम पुरुष सर्वनाम उसी पृथ्वी के लिए आया है। यहाँ पहचान वक्ता से होती है, केवल कर्ण के पारिवारिक संबंध से नहीं।

चरण 2: अन्य पात्रों का भेद समझें कुंती कर्ण की जन्मदात्री और राधा उसकी पालक माता हैं, पर इस प्रसंग में बोलने वाली वे नहीं हैं। अधिरथ भी वक्ता नहीं है। पृथ्वी को माँ के रूप में प्रस्तुत करके कवि ने कर्ण के लोकहितकारी कार्यों के प्रति पृथ्वी का मातृत्व और अपनत्व व्यक्त किया है।

चरण 3: निष्कर्ष 'मुझ' का प्रयोग पृथ्वी के लिए हुआ है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: सर्वनाम का संदर्भ जानने के लिए उसके ठीक पहले आए वक्ता और क्रिया को मिलाएँ।

अथवा

1(b). जो नर आत्म-दान से अपना जीवन-घट भरता है
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है।
जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला
वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला।।
दिया अस्थि देकर दधीचि ने, शिवि ने अंग कतर कर,
हरिश्चन्द्र ने कफ़न माँगते हुए सत्य पर अड़ कर।
ईसा ने संसार-हेतु शूली पर प्राण गँवा कर
अंतिम मूल्य दिया गाँधी ने तीन गोलियाँ खाकर
हँसकर लिया मरण ओठों पर, जीवन का व्रत पाला,
अमर हुआ सुकरात जगत में पीकर विष का प्याला।
मरकर भी मनसूर नियति की सह पाया ना ठिठोली,
उत्तर में सौ बार चीखकर बोटी-बोटी बोली।
दान जगत का प्रकृत धर्म है, मनुज व्यर्थ डरता है
एक रोज तो हमें स्वयं सब-कुछ देना पड़ता है।
बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं
ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं। [5 अंक]

1(b)(i). संसार में अमर पद को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है : [1 अंक]

(A) आत्मदान करना
(B) परोपकार करना
(C) त्याग करना
(D) आत्मोत्सर्ग करना

सही उत्तर: (A) आत्मदान करना

हल:

अवधारणा:

- कवि अमरता को स्वार्थ छोड़कर अपना जीवन लोकहित में समर्पित करने से जोड़ता है।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: आरंभिक कथन से अर्थ लें काव्यांश की पहली पंक्ति में जीवन-घट को आत्म-दान से भरने की बात है। अगली पंक्ति बताती है कि ऐसा व्यक्ति मृत्यु के मुख में जाकर भी नहीं मरता। यहाँ अमरता का अर्थ शरीर का सदा रहना नहीं, बल्कि अपने श्रेष्ठ कर्मों के कारण स्मृति में जीवित रहना है।

चरण 2: विकल्पों को पाठ से मिलाएँ परोपकार, त्याग और आत्मोत्सर्ग लोककल्याण से जुड़े निकट अर्थ वाले विचार हैं, किंतु पूछे गए अमर पद का प्रत्यक्ष आधार आरंभ में आया आत्मदान है। अतः (B), (C) और (D) की सामान्य समानता के बजाय कवि के प्रयुक्त सटीक शब्द को चुनना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष अमर पद प्राप्त करने के लिए आत्मदान करना आवश्यक है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: निकट अर्थ वाले विकल्पों में पहले उस शब्द को खोजें जिसे कवि ने परिणाम से सीधे जोड़ा है।

1(b)(ii). सत्य पर अडिग रहने वाले महापुरुषों में किसका नाम अमर है ? [1 अंक]

(A) राम

(B) कृष्ण

(C) शिवि

(D) हरिश्चन्द्र

सही उत्तर: (D) हरिश्चन्द्र

हल:

अवधारणा:

- महापुरुष का नाम उसके साथ दिए गए विशेष कर्म या गुण से पहचाना जाता है।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: सत्य से संबंधित पंक्ति खोजें काव्यांश में हरिश्चन्द्र का उल्लेख कफ़न माँगते हुए भी सत्य पर अड़े रहने के प्रसंग में किया गया है। कठिन परिस्थिति और व्यक्तिगत पीड़ा के बावजूद सत्यनिष्ठा बनाए रखना ही यहाँ उनके अमर होने का कारण बताया गया है। उत्तर बाहरी कथा से नहीं, इसी पंक्ति से मिलता है।

चरण 2: बाकी नामों से तुलना करें राम और कृष्ण इस काव्यांश के संबंधित उदाहरण में उल्लिखित नहीं हैं। शिवि का उल्लेख अवश्य है, लेकिन उनके साथ अपना अंग काटकर देने का दान जोड़ा गया है। इसलिए (A), (B) और (C) सत्य पर अडिग रहने के इस विशेष संदर्भ के उत्तर नहीं बनते।

चरण 3: निष्कर्ष सत्य पर अडिग रहने वाले महापुरुष हरिश्चन्द्र हैं। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: नामों की सूची याद करने के बजाय प्रत्येक महापुरुष के नाम के साथ लिखा उसका कर्म देखें।

1(b)(iii). 'ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं' — काव्य-पंक्ति में 'ऋतु' शब्द का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) मौसम

(B) परम्परा

(C) समय

(D) रीति

सही उत्तर: (C) समय

हल:

अवधारणा:

- कविता में शब्द का अर्थ आसपास की पंक्तियों और कवि के संदेश के आधार पर तय होता है।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: पूर्व पंक्ति से संकेत लें कवि कहता है कि वही बचते हैं जो समय पर सर्वस्व दान करते हैं। इसके तुरंत बाद ऋतु का ज्ञान न होने की बात आती है। इसलिए ऋतु यहाँ दान के उपयुक्त अवसर या समय की पहचान को व्यक्त करता है। समय पर दिया गया दान सार्थक होता है।

चरण 2: प्रासंगिक अर्थ का चयन करें ऋतु का सामान्य अर्थ मौसम होता है, लेकिन इस पंक्ति में मौसमों का वर्णन नहीं है। परम्परा और रीति भी उचित अवसर की पहचान नहीं बताते। अतः (A) शब्द का सामान्य अर्थ होने पर भी यहाँ अनुपयुक्त है तथा (B) और (D) भी कथ्य से मेल नहीं खाते।

चरण 3: निष्कर्ष इस काव्य-पंक्ति में ऋतु का अर्थ समय है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: किसी शब्द का सामान्य अर्थ चुनने से पहले उसके ठीक ऊपर की पंक्ति में दिया संकेत पढ़ें।

1(b)(iv). कवि के अनुसार संसार में कौन बच जाता है ? [1 अंक]

(A) शासक

(B) अमीर

(C) दानी

(D) कृपण

सही उत्तर: (C) दानी

हल:

अवधारणा:

- कवि के लिए बचना अपने लोकहितकारी योगदान के कारण मृत्यु के बाद भी याद किया जाना है।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति पहचानें काव्यांश का कथन है कि बचते वही हैं जो समय पर सर्वस्व दान करते हैं। इसका आशय धन या सत्ता के सहारे शारीरिक रूप से बचना नहीं है। अपना सर्वस्व दूसरों के हित में देने वाला व्यक्ति अपने कार्यों के कारण समाज की स्मृति में बना रहता है।

चरण 2: विकल्पों के आधार जाँचें शासक होने या अमीर होने मात्र से लोकहित के लिए समर्पण सिद्ध नहीं होता। कृपण तो देने से बचता है, जबकि कवि दान को जगत का स्वाभाविक धर्म बताता है। इसलिए (A), (B) और (D) के बजाय दान करने वाला व्यक्ति ही कवि के कथन का अधिकारी है।

चरण 3: निष्कर्ष कवि के अनुसार संसार में दानी बच जाता है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: बचने का अर्थ तय करते समय कविता के आरंभ की अमरता और अंत के सर्वस्व दान को साथ पढ़ें।

1(b)(v). काव्यांश में कवि ने महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया है ? [1 अंक]

(A) उनका परिचय देने के लिए

(B) उनसे सीख लेने के लिए

(C) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

(D) धर्म की वास्तविकता को जानने के लिए

सही उत्तर: (C) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

हल:

अवधारणा:

- महापुरुषों के उदाहरण कविता के केंद्रीय विचार को प्रमाणित करने के लिए दिए गए हैं।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: उदाहरणों का साझा सूत्र देखें दधीचि ने अस्थियाँ दीं, शिवि ने अपना अंग दिया और अन्य महापुरुषों ने सत्य तथा संसार के हित में प्राणों तक का समर्पण किया। इन सभी प्रसंगों को जोड़ने वाला सूत्र त्याग और दान है। कवि इन्हीं उदाहरणों के बाद दान को जगत का स्वाभाविक धर्म कहता है।

चरण 2: व्यापक और सटीक उद्देश्य चुनें केवल परिचय देना उद्देश्य नहीं है, इसलिए (A) अनुपयुक्त है। उनसे सीख लेना (B) सामान्य कथन है, पर सीख की विशिष्ट विषयवस्तु नहीं बताता। (D) भी दान और त्याग के स्पष्ट केंद्र को नहीं पकड़ता। (C) उदाहरणों और निष्कर्ष दोनों का ठीक सार देता है।

चरण 3: निष्कर्ष महापुरुषों का उल्लेख त्याग और दान की महिमा जानने के लिए किया गया है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: उदाहरणों का उद्देश्य पूछे जाने पर उनके बाद आए निष्कर्ष में केंद्रीय विचार खोजें।

2. वैश्विक महामारी, संघर्ष और प्राकृतिक आपदा के बीच पूरा विश्व अवसाद से गुजर रहा है। औद्योगिक क्रांति की लहर के कारण पृथ्वी की पारिस्थितिकी और इंसानों के पर्यावरण के साथ संबंधों में एक नया और उल्लेखनीय मोड़ आया। करीब पाँच हज़ार वर्ष पहले हुए कृषि क्रांति ने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था। पहली औद्योगिक क्रांति 250 साल पहले हुई थी जो मुख्यत: कोयले और भाप के साथ हुई थी; दूसरी औद्योगिक क्रांति बिजली और तेल के साथ तथा तीसरी कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों के साथ और अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है। बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट के साथ मानवता ने नए युग में प्रवेश किया। हमने स्वयं के विनाश करने की शक्ति पा ली यह सुनिश्चित किए बिना कि हम ऐसा होने से रोक सकते थे।

एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। विस्तृत औद्योगीकरण, कारखानों के प्रसार, सड़कों के निर्माण के लिए जंगलों के कटाव, विशाल बाँधों और विस्तृत उत्पादन आदि के लिए नदियों को रोकने, यातायात के साधनों की गतिविधियों और लोगों के पलायन ने पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी पैदा की है। जिसके फलस्वरूप पर्यावरण परिवर्तन और भूमंडलीय ताप में वृद्धि को नकारा नहीं जा सकता है।

आज प्रकृति और विश्व-शांति दोनों ही ख़तरे में हैं। विकास ने भू-राजनीति के साथ मिलकर मानवता को ख़तरे में डाल दिया है। और हमें यह नहीं पता कि वर्तमान की संकटमय परिस्थिति के आत्मघाती तरीकों से कैसे उबरा जाए ?

आज मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से ख़तरा हो रहा है और इसमें इतनी क्षमता है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है। पारिस्थितिकी संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन की भयावह चुनौतियाँ दहला देने वाली हैं। अब इस बात की आवश्यकता है कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाया जाए। इस मुद्दे का केन्द्र बिन्दु यह है कि हम अपनी सभ्यता की प्रक्रिया के संरक्षण के लिए किस प्रकार नए और संवेदनशील निर्माण की ओर बढ़ सकते हैं। [10 अंक]

2(i). मानव अस्तित्व को सबसे अधिक ख़तरा किससे है ? [1 अंक]

(A) जलवायु परिवर्तन से

(B) औद्योगीकरण से

(C) बढ़ती महामारी से

(D) प्रदूषण से

सही उत्तर: (A) जलवायु परिवर्तन से

हल:

अवधारणा:

- मानव अस्तित्व से जुड़े प्रश्न का उत्तर लेखक के स्पष्ट कथन के आधार पर देना चाहिए।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: खतरे का प्रत्यक्ष उल्लेख पढ़ें गद्यांश के अंतिम भाग में स्पष्ट है कि आज मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से खतरा हो रहा है। आगे अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान होने की आशंका बताई गई है। इसलिए यहाँ उत्तर अनुमान से नहीं, प्रत्यक्ष कथन से निर्धारित होता है।

चरण 2: कारण और मुख्य खतरे में अंतर करें औद्योगीकरण तथा प्रदूषण संकट को बढ़ाने वाले कारण हो सकते हैं, लेकिन प्रश्न के अनुरूप लेखक ने मुख्य खतरे के रूप में जलवायु परिवर्तन का नाम लिया है। महामारी आरंभिक पृष्ठभूमि में आती है। इसलिए (B), (C) और (D) इस विशेष कथन के सटीक उत्तर नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष मानव अस्तित्व को सबसे अधिक खतरा जलवायु परिवर्तन से है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: प्रश्न के मानव अस्तित्व जैसे मुख्य शब्द गद्यांश में खोजकर उसी वाक्य से उत्तर चुनें।

2(ii). पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए सबसे ठोस उपाय हो सकता है : [1 अंक]

(A) कड़े कानून लागू करना

(B) औद्योगीकरण पर पाबंदी

(C) सोच और व्यवहार में बदलाव

(D) जागरूकता

सही उत्तर: (C) सोच और व्यवहार में बदलाव

हल:

अवधारणा:

- लेखक का सुझाया उपाय पहचानने के लिए समस्या के बाद आए निर्देशात्मक कथन पर ध्यान दें।
- विकल्प का निर्णय संबंधित पंक्ति के आशय और उसके प्रसंग को साथ रखकर किया जाता है।

चरण 1: अंतिम अनुच्छेद का सुझाव पढ़ें गद्यांश में पारिस्थितिकी संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ बताने के बाद कहा गया है कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। लेखक इस बदलाव को सभ्यता के संरक्षण और संवेदनशील निर्माण की दिशा में बढ़ने से जोड़ता है।

चरण 2: अन्य उपायों की सीमा पहचानें कड़े कानून और औद्योगीकरण पर पाबंदी को लेखक ने यहाँ सबसे ठोस उपाय नहीं बताया है। जागरूकता उपयोगी हो सकती है, पर केवल जानकारी से आगे वास्तविक आचरण बदलना भी जरूरी है। इसलिए (A), (B) और (D) की अपेक्षा (C) पाठ का प्रत्यक्ष तथा पूरा सुझाव है।

चरण 3: निष्कर्ष पारिस्थितिकी संरक्षण का सबसे ठोस उपाय सोच और व्यवहार में बदलाव है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: समाधान खोजते समय आवश्यकता है जैसे संकेतों के बाद दिया गया पूरा कथन पढ़ें।

2(iii). 'पृथ्वी की पारिस्थितिकी' से आप क्या समझते हैं ? [1 अंक]

(A) पृथ्वी की बनावट

(B) धरती पर जीवन

(C) प्रकृति और पर्यावरण

(D) पर्यावरण में संतुलन

सही उत्तर: (C) प्रकृति और पर्यावरण

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश में पारिस्थितिकी का संबंध पृथ्वी की प्राकृतिक व्यवस्था तथा इंसानों के पर्यावरण के साथ संबंधों से जोड़ा गया है। जंगल, नदियाँ, जीव तथा उनके परिवेश के परस्पर संबंध इसमें आते हैं।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) केवल पृथ्वी की बनावट तक सीमित है। (B) केवल धरती पर जीवन बताता है, उसके परिवेश का संबंध नहीं। (D) पर्यावरण में संतुलन इस व्यवस्था की एक स्थिति है, पूरे शब्द का अर्थ नहीं। इसलिए प्रसंग के अनुसार व्यापक अर्थ प्रकृति और पर्यावरण है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है: प्रकृति और पर्यावरण।

त्वरित सुझाव: शब्द का अर्थ चुनते समय उसके आसपास आए पर्यावरण और प्राकृतिक व्यवस्था के संकेत मिलाएँ।

2(iv). कृषि-क्रांति से जीवन पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा ? [1 अंक]

(A) जीवन में संपन्नता आ गई

(B) अन्न का पैदावार होने लगा

(C) उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव

(D) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

सही उत्तर: (D) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश का स्पष्ट कथन है कि कृषि क्रांति ने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था। खेती से भोजन की उपलब्धता और एक स्थान पर बसने की संभावना दोनों बढ़ीं। विकल्प में स्थिरता शब्द उसी स्थायित्व का समानार्थक है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) संपन्नता का कथन मूल वाक्य में नहीं है। (B) अन्न की पैदावार भोजन वाले पहलू को ही बताता है, स्थायित्व को छोड़ देता है। (C) भटकाव का संकेत स्थायित्व के विपरीत है। सही विकल्प में मूल वाक्य के दोनों प्रभाव एक साथ मिलते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है: भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई।

त्वरित सुझाव: मूल वाक्य में जुड़े दो परिणाम हों तो ऐसा विकल्प चुनें जिसमें दोनों का समावेश हो।

2(ix). आपकी दृष्टि में लोगों के पलायन का प्रमुख कारण क्या हो सकता है ? [1 अंक]

(A) स्थायित्व की खोज

(B) भय से मुक्त जीवन

(C) बेहतर जीवन की तलाश

(D) आवागमन की सुविधा

सही उत्तर: (C) बेहतर जीवन की तलाश

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश में औद्योगीकरण, कारखानों और लोगों के पलायन का उल्लेख एक ही विकास प्रक्रिया के संदर्भ में है। इस संदर्भ में रोजगार तथा जीवन की दशाएँ सुधारने की इच्छा पलायन का सबसे व्यापक संभावित कारण है। बेहतर जीवन की तलाश इसी अर्थ को समेटती है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) स्थायित्व की खोज जीवन सुधारने का एक पक्ष हो सकती है। (B) भय से मुक्ति का विशेष कारण इस प्रसंग में नहीं दिया गया। (D) आवागमन की सुविधा यात्रा को आसान बनाती है, किंतु स्थान बदलकर रहने का प्रमुख उद्देश्य नहीं बताती। इसलिए व्यापक संदर्भानुकूल अनुमान चुनना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है: बेहतर जीवन की तलाश।

त्वरित सुझाव: आपकी दृष्टि वाले प्रश्न में भी अनुमान को गद्यांश के विकास और पलायन के संदर्भ से जोड़ें।

2(v). कम्प्यूटर का विकास किस औद्योगिक क्रांति में हुआ ? [1 अंक]

(A) पहली

(B) दूसरी

(C) तीसरी

(D) चौथी

सही उत्तर: (C) तीसरी

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश औद्योगिक क्रांतियों को उनके प्रमुख साधनों से पहचानता है। उसमें तीसरी क्रांति का संबंध सीधे कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों से बताया गया है। इसलिए प्रश्न में दिए कम्प्यूटर का मिलान उसी क्रम से होता है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) पहली क्रांति कोयले और भाप से संबंधित है। (B) दूसरी बिजली और तेल से जुड़ी है। (D) चौथी में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया का सम्मिश्रण है। डिजिटल शब्द देखकर चौथी चुनना गलत होगा, क्योंकि कम्प्यूटर का उल्लेख स्पष्ट रूप से तीसरी के साथ है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है: तीसरी।

त्वरित सुझाव: क्रम वाले प्रश्न में साधन और क्रांति की जोड़ी बनाकर पढ़ें; डिजिटल शब्द से भ्रमित न हों।

2(vi). बीसवीं शताब्दी में हमने अपने विनाश की शक्ति खोजी है, कैसे ? [1 अंक]

(A) परमाणु बम बनाकर

(B) प्रौद्योगिकी विकास कर

(C) तकनीकी विकास कर

(D) डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर

सही उत्तर: (A) परमाणु बम बनाकर

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश में बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट के बाद मानवता के नए युग में प्रवेश की बात है। उसके तुरंत बाद स्वयं के विनाश की शक्ति पाने का उल्लेख आता है। दोनों कथनों का संबंध परमाणु बमों की विनाशकारी क्षमता से है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (B) प्रौद्योगिकी विकास और (C) तकनीकी विकास बहुत सामान्य कथन हैं; वे बताए गए विशेष विनाशकारी साधन की पहचान नहीं करते। (D) डिजिटल दुनिया में प्रवेश का संदर्भ औद्योगिक सम्मिश्रण से है। यहाँ निर्णायक प्रमाण परमाणु बमों के विस्फोट का स्पष्ट उल्लेख है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) है: परमाणु बम बनाकर।

त्वरित सुझाव: किसी कथन के ठीक पहले आए कारण को देखें; यहाँ परमाणु विस्फोट विनाशकारी शक्ति का संकेत है।

2(vii). प्रतिस्पर्धाविहीन दुनिया की कल्पना करना कठिन क्यों है ? [1 अंक]

(A) प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा

(B) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

(C) त्याग की भावना का अभाव

(D) संतोष की भावना का अभाव

सही उत्तर: (B) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश कहता है कि ऐसी दुनिया की कल्पना कठिन है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। इससे स्पष्ट होता है कि देशों की दूसरों पर प्रभाव और वर्चस्व स्थापित करने की इच्छा प्रतिस्पर्धा को बनाए रखती है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) प्रतियोगिता में बने रहना प्रतिस्पर्धा का पुनः वर्णन है, उसके पीछे के बताए उद्देश्य की पहचान नहीं। (C) त्याग तथा (D) संतोष की भावना के अभाव का कथन गद्यांश में नहीं है। इसलिए शक्ति और प्रभुत्व वाले वाक्य से सीधे मेल खाने वाला विकल्प चुनना उचित है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) है: प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा।

त्वरित सुझाव: क्यों वाले प्रश्न में गतिविधि दोहराने वाले विकल्प की जगह पाठ में बताया उद्देश्य खोजें।

2(viii). गद्यांश के आधार पर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव के लिए किसे उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता ? [1 अंक]

(A) जंगलों का कटाव

(B) लोगों का पलायन

(C) प्राकृतिक आपदा

(D) विस्तृत औद्योगीकरण

सही उत्तर: (C) प्राकृतिक आपदा

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें प्रश्न में नहीं शब्द पर ध्यान देना आवश्यक है। गद्यांश के दूसरे अनुच्छेद में पारिस्थितिकी की गड़बड़ी के लिए जंगलों के कटाव, विस्तृत औद्योगीकरण और लोगों के पलायन जैसी प्रक्रियाएँ गिनाई गई हैं। प्राकृतिक आपदा उस विशिष्ट सूची में शामिल नहीं है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) जंगलों का कटाव, (B) लोगों का पलायन और (D) विस्तृत औद्योगीकरण तीनों का प्रत्यक्ष उल्लेख कारणों में है। आरंभ में प्राकृतिक आपदा विश्व के अवसाद के संदर्भ में आती है। यहाँ उत्तर गद्यांश की कारण-सूची के आधार पर है; यह प्रकृति पर आपदाओं के प्रभाव का सार्वभौमिक निषेध नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है: प्राकृतिक आपदा।

त्वरित सुझाव: नहीं वाले प्रश्न में पहले कारणों की मूल सूची बनाएँ और फिर उससे बाहर का विकल्प चुनें।

2(x). पर्यावरण परिवर्तन में आप किसकी प्रमुख भूमिका मानते हैं ? [1 अंक]

(A) जनसंख्या वृद्धि

(B) औद्योगीकरण

(C) प्राकृतिक आपदा

(D) मानवीय गतिविधियाँ

सही उत्तर: (D) मानवीय गतिविधियाँ

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग और पाठ के स्पष्ट संकेतों के आधार पर अर्थ तथा निष्कर्ष निर्धारित करना।
- सही विकल्प को पाठ से मिलाकर अन्य विकल्पों की सीमा पहचानना।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण पहचानें गद्यांश में पर्यावरण परिवर्तन के साथ कारखानों का प्रसार, जंगलों का कटाव, बाँध बनाना, नदियों को रोकना, यातायात और पलायन जोड़े गए हैं। ये सभी मनुष्य की गतिविधियाँ हैं। इसलिए प्रमुख भूमिका बताने वाला सबसे व्यापक विकल्प मानवीय गतिविधियाँ है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (A) जनसंख्या वृद्धि को इस अनुच्छेद में प्रमुख कारण के रूप में नहीं गिनाया गया। (B) औद्योगीकरण महत्त्वपूर्ण है, पर वह सूची में आए सभी कार्यों को अकेले नहीं समेटता। (C) प्राकृतिक आपदा यहाँ बताए विकासजनित हस्तक्षेपों का साझा आधार नहीं है। सभी उदाहरणों का साझा कर्ता मनुष्य है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है: मानवीय गतिविधियाँ।

त्वरित सुझाव: कई उदाहरणों का साझा कारण पूछे जाने पर ऐसा व्यापक विकल्प चुनें जो पूरी सूची को समेटे।

3(i). यूरोप के पुनर्जागरण में आप किसकी भूमिका को प्रमुख मानते हैं ? [1 अंक]

(A) छापाखाना

(B) समाचार-पत्र

(C) औद्योगिक क्रांति

(D) नेता

सही उत्तर: (A) छापाखाना

हल:

अवधारणा:

- छापाखाने ने पुस्तकों और विचारों को बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचाकर ज्ञान के प्रसार को गति दी।
- पुनर्जागरण में नए विचारों का व्यापक प्रसार महत्त्वपूर्ण था; मुद्रण ने इस प्रक्रिया को सुलभ बनाया।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार यूरोप में छापाखाने के विकास से ज्ञान कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहा। पुस्तकों की अनेक प्रतियाँ तैयार होने लगीं और नए विचार अधिक पाठकों तक पहुँचे। इसी कारण पुनर्जागरण में उसकी भूमिका प्रमुख मानी जाती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच समाचार-पत्र सूचना के माध्यम हैं, पर यहाँ व्यापक बौद्धिक परिवर्तन में मुद्रण की बुनियादी भूमिका पूछी गई है। औद्योगिक क्रांति पुनर्जागरण के समान घटना नहीं है। किसी नेता का उल्लेख भी इस संदर्भ में अपेक्षित उत्तर नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है — छापाखाना।

त्वरित सुझाव: पुनर्जागरण और विचारों के प्रसार का संबंध दिखे तो पुस्तकों के बड़े पैमाने पर मुद्रण को याद करें।

3(ii). अख़बारों की पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने का अवसर हमें प्राप्त होता है : [1 अंक]

(A) प्रेस से

(B) दूरदर्शन से

(C) इंटरनेट से

(D) पुस्तकालय से

सही उत्तर: (C) इंटरनेट से

हल:

अवधारणा:

- इंटरनेट अखबारों के डिजिटल अभिलेखों को खोजने और पढ़ने की सुविधा देता है।
- ऑनलाइन खोज में विषय, तिथि और शब्द के आधार पर पुरानी सामग्री तक पहुँचा जा सकता है।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार प्रश्न में पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने की सुविधा का संकेत है। इंटरनेट पर उपलब्ध अखबारों के डिजिटल अभिलेखों में पुरानी खबरें और अंक खोजे जा सकते हैं। इसलिए यहाँ अपेक्षित माध्यम इंटरनेट है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच प्रेस का मुख्य काम मुद्रण है। दूरदर्शन दृश्य-श्रव्य प्रसारण करता है। पुस्तकालय में पुरानी फाइलें मिल सकती हैं, किंतु प्रश्न जिस सहज खोज-सुविधा को रेखांकित करता है वह इंटरनेट की विशेषता है। इसलिए पुस्तकालय सबसे उपयुक्त विकल्प नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है — इंटरनेट से।

त्वरित सुझाव: पुराने समाचारों की तिथि या शब्द से तुरंत खोज की बात आए तो डिजिटल अभिलेख और इंटरनेट जोड़ें।

3(iii). पत्रकारीय लेखन का संबंध आप किससे मानते हैं ? [1 अंक]

(A) वास्तविक घटनाओं से

(B) साहित्यिक लेखन से

(C) सृजनात्मक लेखन से

(D) प्रभावकारी विचारों से

सही उत्तर: (A) वास्तविक घटनाओं से

हल:

अवधारणा:

- पत्रकारीय लेखन का आधार वास्तविक घटनाएँ, तथ्य और सत्यापित सूचनाएँ हैं।
- पत्रकार का दायित्व घटनाओं की जानकारी पाठक तक विश्वसनीय ढंग से पहुँचाना है।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार पत्रकारीय लेखन समाज में घटने वाली वास्तविक घटनाओं और उनसे संबंधित तथ्यों पर आधारित होता है। उसकी विश्वसनीयता सूचना की सत्यता से बनती है। इसीलिए दिए गए विकल्पों में वास्तविक घटनाओं से संबंध सबसे उपयुक्त है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच साहित्यिक और सृजनात्मक लेखन में कल्पना की स्वतंत्रता हो सकती है; वे पत्रकारीय लेखन का अनिवार्य आधार नहीं हैं। प्रभावकारी विचार लेख में आ सकते हैं, लेकिन केवल प्रभावशाली विचार होना पत्रकारिता की पहचान नहीं है। उसका आधार तथ्यपरक वास्तविकता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है — वास्तविक घटनाओं से।

त्वरित सुझाव: पत्रकारीय लेखन का आधार पहचानते समय कल्पना या प्रभाव से पहले वास्तविक घटना और तथ्य देखें।

3(iv). 'उलटा पिरामिड' शैली का संबंध है : [1 अंक]

(A) फ़ीचर लेखन से

(B) आलेख लेखन से

(C) समाचार लेखन से

(D) कथा लेखन से

सही उत्तर: (C) समाचार लेखन से

हल:

अवधारणा:

- उलटा पिरामिड शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना पहले दी जाती है।
- इसके बाद कम महत्त्वपूर्ण विवरण और अंत में सहायक पृष्ठभूमि आती है।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार समाचार में पाठक को मुख्य घटना तुरंत बतानी होती है। इसलिए उलटा पिरामिड शैली में आरंभ में सबसे आवश्यक सूचना रखी जाती है और आगे विवरण घटते महत्त्व के क्रम में दिए जाते हैं। इसका संबंध समाचार लेखन से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच फ़ीचर में रोचक प्रस्तुति और मानवीय पक्ष प्रमुख हो सकते हैं। आलेख विषय का विवेचन करता है। कथा लेखन में कथानक का विकास होता है। इन तीनों की अनिवार्य संरचना घटते महत्त्व के क्रम वाली नहीं है; इसलिए वे सही विकल्प नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है — समाचार लेखन से।

त्वरित सुझाव: सबसे जरूरी खबर पहले और कम जरूरी विवरण बाद में हों तो उलटा पिरामिड पहचानें।

3(v). विशेष लेखन की भाषा शैली किस तरह की होती है ? [1 अंक]

(A) सामान्य लेखन की तरह

(B) समाचार लेखन की तरह

(C) सामान्य लेखन से अलग

(D) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

सही उत्तर: (C) सामान्य लेखन से अलग

हल:

अवधारणा:

- विशेष लेखन किसी विशिष्ट क्षेत्र के विषय, जानकारी और पारिभाषिक शब्दावली से जुड़ा होता है।
- उसकी भाषा में विषय की विशिष्टता रहती है, पर जानकारी पाठक के लिए स्पष्ट होनी चाहिए।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार विशेष लेखन में विज्ञान, अर्थव्यवस्था, खेल जैसे किसी खास क्षेत्र की जानकारी प्रस्तुत की जाती है। संबंधित शब्दावली और विषय की प्रकृति के कारण उसकी भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है। यही प्रश्न में अपेक्षित विशेषता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सामान्य लेखन की तरह कहना उसकी विषयगत विशिष्टता को नकारता है। समाचार लेखन की तरह कहना भी सभी विशेष लेखन रूपों पर लागू नहीं होता। आलंकारिक भाषा अनिवार्य नहीं है; स्पष्ट और विषयानुकूल प्रस्तुति अधिक आवश्यक है। इसलिए विकल्प (C) सही है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (C) है — सामान्य लेखन से अलग।

त्वरित सुझाव: विशेष लेखन की भाषा पहचानने में विषय की विशिष्ट शब्दावली देखें, केवल भाषा की सजावट नहीं।

4. बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है। [5 अंक]

4(i). पक्षी अपने घर की ओर तेजी से क्यों लौट रहे हैं ? [1 अंक]

(A) बच्चों की व्याकुलता के कारण
(B) सायंकाल हो जाने के कारण
(C) रात के अंधकार के कारण
(D) पैरों की शिथिलता के कारण

सही उत्तर: (A) बच्चों की व्याकुलता के कारण

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में बच्चों की प्रतीक्षा का ध्यान चिड़ियों के पंखों में चंचलता भरता है।
- उत्तर का आधार पंक्ति का भाव है, केवल दिन ढलने का बाहरी दृश्य नहीं।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे' और 'नीड़ों से झाँक रहे होंगे' से पता चलता है कि बच्चे पक्षियों की राह देख रहे हैं। इस प्रतीक्षा का ध्यान चिड़ियों के पंखों में चंचलता भरता है। वे बच्चों से मिलने के लिए तेजी से लौटती हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच सायंकाल और रात निकट आने का समय-संदर्भ है, लेकिन तेज लौटने का प्रमुख भावात्मक कारण बच्चों की प्रतीक्षा है। पैरों की शिथिलता कवि की दशा से जुड़ी है, पक्षियों की गति से नहीं। अतः बाकी विकल्प काव्यांश के सीधे कारण को नहीं बताते।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (A) है — बच्चों की व्याकुलता के कारण।

त्वरित सुझाव: कारण पूछे जाने पर उस पंक्ति को देखें जिसमें बच्चों का ध्यान पंखों में चंचलता भरता है।

4(ii). कवि, घर लौटने की शीघ्रता में नहीं दिखाई दे रहा है, क्योंकि : [1 अंक]

(A) उसके पास घर नहीं है।
(B) वह किसी के लिए चिन्तित नहीं है।
(C) वह अपने घर पर ही है।
(D) उसका कोई अपना नहीं है।

सही उत्तर: (D) उसका कोई अपना नहीं है।

हल:

अवधारणा:

- 'मुझसे मिलने को कौन विकल?' कवि की आत्मीय संबंधों के अभाव की अनुभूति बताता है।
- काव्यांश पक्षियों के उत्साह और कवि की उदासी का अंतर सामने रखता है।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार कवि पूछता है कि उससे मिलने के लिए कौन व्याकुल है और वह किसके लिए जल्दी करे। उसे किसी अपने की प्रतीक्षा का सहारा नहीं मिलता। इसी अकेलेपन के कारण घर लौटने का उत्साह नहीं है और उसके कदम शिथिल पड़ते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच काव्यांश यह नहीं कहता कि उसके पास घर ही नहीं है या वह पहले से अपने घर पर है। किसी के लिए चिंतित न होना भी उस भाव को पूरा नहीं बताता जिसमें उसे अपना प्रतीक्षारत व्यक्ति नहीं मिलता। इसलिए सबसे सटीक उत्तर उसका कोई अपना नहीं होना है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) है — उसका कोई अपना नहीं है।

त्वरित सुझाव: कवि के दोनों प्रश्नों में प्रतीक्षा करने वाले आत्मीय के अभाव को पहचानें, भौतिक घर के अभाव को नहीं।

4(iii). बच्चे घोंसले से क्यों झाँक रहे हैं ? [1 अंक]

(A) भोजन की प्रतीक्षा में

(B) माँ की प्रतीक्षा में

(C) रात हो जाने की आशंका से

(D) बाहरी भय की आशंका से

सही उत्तर: (B) माँ की प्रतीक्षा में

हल:

अवधारणा:

- 'प्रत्याशा' और 'नीड़ों से झाँकना' लौटती हुई माँ की प्रतीक्षा को व्यक्त करते हैं।
- काव्यांश में बच्चों और चिड़ियों के बीच स्नेह का संबंध मुख्य है।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार बच्चे घोंसलों से बाहर इसलिए झाँक रहे हैं कि उनकी माँ लौटने वाली है। चिड़ियाँ भी यही सोचकर चंचल हो उठती हैं कि बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे होंगे। दोनों चित्र मिलकर माँ और बच्चों की मिलने की उत्कंठा बताते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच भोजन की प्रतीक्षा सामान्य अनुमान हो सकता है, किंतु यहाँ प्रमुख भाव माँ की प्रतीक्षा है। काव्यांश रात के भय या किसी बाहरी खतरे को बच्चों के झाँकने का कारण नहीं बताता। इसलिए आशंका वाले दोनों विकल्प भी पाठ से समर्थित नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (B) है — माँ की प्रतीक्षा में।

त्वरित सुझाव: प्रत्याशा के भाव को चिड़ियों की घर वापसी से जोड़ें; उत्तर माँ की प्रतीक्षा पर केंद्रित रखें।

4(iv). "पैरों का शिथिल होना" — का आशय है : [1 अंक]

(A) रुक जाना

(B) आलस्य होना

(C) थकावट होना

(D) उत्साह नहीं होना

सही उत्तर: (D) उत्साह नहीं होना

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में शारीरिक क्रिया के माध्यम से कवि की मानसिक दशा व्यक्त हुई है।
- अपने किसी प्रिय के प्रतीक्षारत न होने का विचार गति और उत्साह को मंद करता है।

चरण 1: विकल्प चयन का आधार 'यह प्रश्न शिथिल करता पद को' में प्रश्न है कि कवि किसके लिए जल्दी करे। मिलने को कोई अपना व्याकुल नहीं है, इसलिए उसकी घर लौटने की उमंग घटती है। पैरों की शिथिलता यहाँ उत्साहहीनता का संकेत है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच रुक जाना पूर्ण विराम का अर्थ देता है, जबकि यहाँ गति की मंदता का भाव है। आलस्य कहना कवि की व्यथा को साधारण सुस्ती बना देता है। थकावट भी शारीरिक कारण बताती है, जबकि काव्यांश में कारण अकेलेपन से उपजा मानसिक विषाद है। अतः उत्साह नहीं होना उचित है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही विकल्प (D) है — उत्साह नहीं होना।

त्वरित सुझाव: काव्य में शिथिल कदमों का कारण आसपास के भाव से समझें; यहाँ अकेलापन उत्साह घटाता है।

4(v). कवि की बेचैनी का कारण है : [1 अंक]

(A) उसका अधूरापन

(B) उसका अकेलापन

(C) उसका आवारापन

(D) उसकी भावुकता

सही उत्तर: (B) उसका अकेलापन

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में पक्षियों की घर लौटने की उत्सुकता की तुलना कवि की मनःस्थिति से की गई है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें कवि पूछता है कि उससे मिलने के लिए कौन व्याकुल है और वह किसके लिए चंचल हो। इससे स्पष्ट है कि उसकी प्रतीक्षा करने वाला कोई आत्मीय नहीं है। यही अकेलापन उसके हृदय में विह्वलता भरता है और कदमों को शिथिल करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) अधूरापन व्यापक भाव है, पर यहाँ कारण आत्मीय के अभाव का है। (C) आवारापन का संकेत नहीं है। (D) भावुकता स्वभाव हो सकती है, पर प्रश्न में व्यक्त बेचैनी का प्रत्यक्ष कारण अकेलापन है।

चरण 3: निष्कर्ष कवि की बेचैनी का कारण उसका अकेलापन है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: मुझसे मिलने को कौन विकल वाले प्रश्न को प्रतीक्षा करने वाले आत्मीय के अभाव और कवि के अकेलेपन से जोड़ें।

5. रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख़याल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े बच्चों-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे। [5 अंक]

5(i). रात्रि की विभीषिका से आप क्या समझते हैं ? [1 अंक]

(A) रात का अँधेरा

(B) रात का अकेलापन

(C) रात की त्रासदी

(D) रात का सूनापन

सही उत्तर: (C) रात की त्रासदी

हल:

अवधारणा:

- शब्द का अर्थ गद्यांश में वर्णित परिस्थिति से निर्धारित होता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें गद्यांश में महामारी से पीड़ित, उपचार से वंचित और मृत्यु की प्रतीक्षा करते ग्रामीणों का वर्णन है। इस पृष्ठभूमि में रात्रि की विभीषिका भयावह कष्ट और विनाश की स्थिति को व्यक्त करती है। इसलिए इसका उपयुक्त अर्थ रात की त्रासदी है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) अँधेरा केवल प्राकृतिक अवस्था है। (B) अकेलापन और (D) सूनापन वातावरण के पहलू हो सकते हैं, पर वे बीमारी और मृत्यु से उपजी भयावहता का पूरा अर्थ नहीं बताते।

चरण 3: निष्कर्ष रात्रि की विभीषिका से आशय रात की त्रासदी है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: महामारी की पृष्ठभूमि में विभीषिका का अर्थ भयावह त्रासदी लें; केवल अँधेरा या सूनापन इसका पूरा अर्थ नहीं बताता।

5(ii). 'संजीवनी शक्ति' का अभिप्राय है : [1 अंक]

(A) जीने की शक्ति

(B) शक्ति की औषधि

(C) पुनः जीवित करने वाली काल्पनिक शक्ति

(D) जीवन धारण करने वाली काल्पनिक शक्ति

सही उत्तर: (A) जीने की शक्ति

हल:

अवधारणा:

- रूपकात्मक अभिव्यक्ति का अर्थ उसके प्रभाव से समझना चाहिए।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें ढोलक की आवाज सुनकर शक्तिहीन ग्रामीणों की आँखों के सामने दंगल का दृश्य आ जाता था। निर्बल स्नायुओं में भी बिजली दौड़ने का वर्णन उनके भीतर साहस, उत्साह और जीने की शक्ति भरने का संकेत है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (B) शक्ति की औषधि वास्तविक दवा का अर्थ देता है, जबकि गद्यांश औषधीय प्रभाव से इनकार करता है। (C) मृतक को पुनर्जीवित करने और (D) काल्पनिक जीवनधारक शक्ति का प्रसंग नहीं है। यहाँ मानसिक जीवनशक्ति का

आशय प्रमुख है।

चरण 3: निष्कर्ष संजीवनी शक्ति का अभिप्राय जीने की शक्ति है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: संजीवनी शक्ति को यहाँ जीने के साहस और उत्साह से जोड़ें; गद्यांश ढोलक के औषधीय प्रभाव का निषेध करता है।

5(iii). शक्तिहीन आँखों में दंगल का दृश्य नाचने का क्या प्रभाव पड़ता था ? [1 अंक]

(A) लड़ने को तत्पर करना

(B) उठ खड़ा होना

(C) ऊर्जा का संचार करना

(D) आँखों में चमक आना

सही उत्तर: (C) ऊर्जा का संचार करना

हल:

अवधारणा:

- दंगल की स्मृति का प्रभाव अगले वाक्य में स्पष्ट किया गया है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने के बाद गद्यांश कहता है कि स्पंदन और शक्ति से शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। बिजली दौड़ना उत्साह और ऊर्जा के संचार का बिंब है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) वास्तव में लड़ने को तैयार होने या (B) शारीरिक रूप से उठ खड़े होने का कथन नहीं है। (D) आँखों में चमक आना प्रभाव के एक छोटे पहलू तक सीमित है। पूरे शरीर और मन की स्फूर्ति को (C) अधिक सटीक ढंग से बताता है।

चरण 3: निष्कर्ष दंगल के दृश्य से ग्रामीणों में ऊर्जा का संचार होता था। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: स्नायुओं में बिजली दौड़ने के बिंब से ऊर्जा का संचार पहचानें; वास्तविक दंगल में उतरने का अर्थ न लें।

5(iv). ढोलक की आवाज मरने वाले की सहायता किस प्रकार करती थी ? [1 अंक]

(A) मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर

(B) कष्ट से मुक्ति दिलवाकर

(C) महामारी से मुक्ति दिलवाकर

(D) माया-मोह से मुक्ति दिलवाकर

सही उत्तर: (A) मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में संगीत के मानसिक प्रभाव और चिकित्सकीय प्रभाव का अंतर किया गया है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें अंतिम वाक्य स्पष्ट बताता है कि मरते हुए प्राणी मृत्यु से डरते नहीं थे। ढोलक उनमें साहस जगाती थी, जिससे वे जीवन के अंतिम क्षणों का सामना भय के बिना कर पाते थे। इसी मानसिक सहारे को प्रश्न पूछता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (B) कष्ट से मुक्ति व्यापक कथन है और शारीरिक रोगमुक्ति का भ्रम पैदा करता है। (C) महामारी

से मुक्ति को गद्यांश स्पष्टतः नकारता है। (D) माया-मोह त्यागने की चर्चा नहीं है। इसलिए मृत्यु-भय से मुक्ति सबसे प्रत्यक्ष उत्तर है।

चरण 3: निष्कर्ष ढोलक की आवाज मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर सहायता करती थी। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: अंतिम वाक्य में मृत्यु से न डरने की बात देखें; ढोलक का सहारा मानसिक है, महामारी मिटाने वाला नहीं।

5(v). गद्यांश से यह पता चलता है कि : [1 अंक]

(A) रात का दृश्य भयानक था।

(B) गाँव के लोग बहुत ग़रीब थे।

(C) गाँव महामारी की चपेट में था।

(D) पहलवान रातभर ढोलक बजाता था।

सही उत्तर: (C) गाँव महामारी की चपेट में था।

हल:

अवधारणा:

- पूरे गद्यांश से मिलने वाली प्रमुख सूचना और गौण विवरण में अंतर करना आवश्यक है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें अर्धमृत ग्रामीणों, उपचार के अभाव, बुखार और महामारी की सर्वनाश शक्ति का उल्लेख एक ही केंद्रीय स्थिति बताता है कि गाँव महामारी की चपेट में था। इसी संकट की पृष्ठभूमि में ढोलक का संजीवनी प्रभाव समझाया गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) रात की भयावहता तथा (D) पहलवान का रातभर ढोलक बजाना सहायक विवरण हैं। (B) गरीबी का अनुमान उपचार के अभाव से लग सकता है, पर वह मुख्य सूचना नहीं है। गद्यांश की समग्र परिस्थिति को (C) सबसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष गद्यांश की प्रमुख सूचना है कि गाँव महामारी की चपेट में था। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: बुखार, अर्धमृत प्राणी और महामारी के संकेत जोड़कर गाँव की केंद्रीय परिस्थिति पहचानें।

6(i). यशोधर बाबू ने झेंपते हुए खुश होने की अदा किससे सीखी थी ? [1 अंक]

(A) अपनी पत्नी से

(B) किशन दा से

(C) चड्ढा से

(D) अपने पिता से

सही उत्तर: (B) किशन दा से

हल:

अवधारणा:

- चरित्र के व्यवहार का स्रोत पाठ में बताए गए संबंध से पहचाना जाता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें यशोधर बाबू के व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि पर किशन दा का गहरा प्रभाव है। झेंपते हुए

खुश होने की उनकी विशिष्ट अदा भी किशन दा से सीखी हुई है। यह उनके व्यवहार में मार्गदर्शक की छाप को दर्शाती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) पत्नी के साथ उनके विचारों में अंतर दिखाई देता है; इस अदा का स्रोत पत्नी नहीं है। (C) चड्ढा कार्यालय से जुड़ा पात्र है, इस व्यवहार का आदर्श नहीं। (D) पिता से यह अदा सीखने का प्रसंग पाठ में नहीं दिया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष यशोधर बाबू ने यह अदा किशन दा से सीखी थी। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: झेंपते हुए खुश होने की अदा को यशोधर बाबू पर किशन दा के स्थायी प्रभाव से जोड़कर याद रखें।

6(ii). यशोधर बाबू गोल मार्केट छोड़ना क्यों नहीं चाहते थे ? [1 अंक]

(A) बड़ा घर होने के कारण

(B) किशन दा के प्रति विश्वास

(C) क्षेत्र विशेष से प्रेम के कारण

(D) यादें जुड़ी होने के कारण

सही उत्तर: (D) यादें जुड़ी होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- किसी स्थान से भावनात्मक लगाव उसके साथ जुड़ी जीवन-स्मृतियों से बनता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ के प्रत्यक्ष संकेत और पूरे प्रसंग का मेल देखना चाहिए।

चरण 1: पाठ के निर्णायक संकेत को समझें यशोधर बाबू गोल मार्केट के परिवेश से लंबे समय से जुड़े हुए हैं। वहाँ का परिचित जीवन और पुरानी स्मृतियाँ उन्हें आत्मीय लगती हैं। इसलिए घर बदलने को वे केवल सुविधा का प्रश्न नहीं मानते; परिचित अतीत से अलग होना भी समझते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) बड़े घर की सुविधा उनके आग्रह का कारण नहीं है। (B) किशन दा का प्रभाव उनके जीवन में महत्त्वपूर्ण है, लेकिन यहाँ स्थान न छोड़ने का व्यापक कारण स्मृतियाँ हैं। (C) क्षेत्र-प्रेम एक सामान्य कथन है; (D) उस लगाव की ठोस वजह बताता है।

चरण 3: निष्कर्ष गोल मार्केट से यादें जुड़ी होने के कारण वे उसे छोड़ना नहीं चाहते थे। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: गोल मार्केट छोड़ने की अनिच्छा को पुरानी स्मृतियों और परिचित परिवेश से लगाव के आधार पर समझें।

6(iii). सिल्वर वैडिंग की पार्टी देना यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रोपर' क्यों लग रहा था ? [1 अंक]

(A) पुराने ख्याल के होने के कारण

(B) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

(C) दिखावे में विश्वास न रखने के कारण

(D) पार्टी में होने वाले खर्च के कारण

सही उत्तर: (B) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

हल:

अवधारणा:

- विदेशी रीति और पीढ़ियों का अंतर।

- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें यशोधर बाबू विवाह की पच्चीसवीं वर्षगाँठ पर पार्टी देने की रीति को विदेशी चलन मानते हैं। अपने पारिवारिक संस्कारों में ऐसी वर्षगाँठ के उत्सव की परंपरा न होने से उन्हें यह आयोजन अनुचित जान पड़ता है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें पुराने खयाल का होना उनकी सामान्य विशेषता है, पर प्रश्न विशेष रूप से इस पार्टी के अनुचित लगने का कारण पूछता है। दिखावा और खर्च यहाँ निर्णायक कारण नहीं हैं। विदेशी कस्टम मानने वाला विकल्प प्रसंग का सीधा उत्तर देता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) है: विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण।

त्वरित सुझाव: समहाउ इंप्रोपर को विदेशी वर्षगाँठ की परंपरा के प्रति संकोच से जोड़कर पढ़ें।

6(iv). 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता पाठशाला से अधिक महत्त्व खेत तथा ढोर चराने को क्यों देते थे ? [1 अंक]

(A) स्वयं अशिक्षित होने से

(B) खेतों से फ़सल मिलने से

(C) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

(D) पढ़ने को बेकार का काम समझने से

सही उत्तर: (C) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

हल:

अवधारणा:

- शिक्षा के महत्त्व के प्रति पिता की संकीर्ण दृष्टि और लेखक की पढ़ने की आकांक्षा में विरोध।
- किसी काम के लाभ और उसे प्राथमिकता देने वाली मानसिकता के बीच अंतर पहचानना।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें लेखक के पिता शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझते थे। वे बेटे की पढ़ाई बंद करवाकर उससे खेती और पशु चराने का काम कराते हैं। पाठशाला जाने की अनुमति मिलने पर भी वे खेती के अधिक काम वाले दिन गैरहाज़िर रहने की शर्त रखते हैं। इससे उनकी दृष्टि में पढ़ाई की उपेक्षा स्पष्ट होती है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें स्वयं अशिक्षित होना अपने आप में शिक्षा का विरोध करने का कारण नहीं है। खेतों से फ़सल मिलना खेती की उपयोगिता बताता है, पर शिक्षा से अधिक महत्त्व देने वाली दृष्टि का पूरा उत्तर नहीं देता। पढ़ने को बिल्कुल बेकार मानना अधिक कठोर कथन है। पिता के व्यवहार का सटीक कारण शिक्षा का महत्त्व न समझना है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है: शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से।

त्वरित सुझाव: खेती की उपयोगिता और शिक्षा की उपेक्षा का अंतर समझें; प्रश्न पिता की प्राथमिकता का कारण पूछता है।

6(ix). आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिन्धु घाटी के दौर में व्यापार ही नहीं, उन्नत खेती भी होती थी ? [1 अंक]

(A) गढ़ होने से

(B) बैलगाड़ी मिलने से

(C) कोठार होने से

(D) कुंड होने से

सही उत्तर: (C) कोठार होने से

हल:

अवधारणा:

- पुरातात्त्विक साक्ष्य से कृषि का अनुमान।
- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें कोठार अनाज सुरक्षित रखने का स्थान होता है। सिन्धु घाटी के नगर में कोठार का होना बताता है कि वहाँ इतना अनाज पैदा होता था कि उसके व्यवस्थित संग्रह की आवश्यकता थी। इस प्रकार यह विकसित कृषि और उपज के प्रबंधन का प्रमाण है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें गढ़ सुरक्षा अथवा ऊँचे नगर क्षेत्र का संकेत देता है। बैलगाड़ी परिवहन का साधन है और व्यापार में भी काम आ सकती है। कुंड जल अथवा स्नान की व्यवस्था से जुड़ा है। इनकी तुलना में कोठार उन्नत खेती और पर्याप्त अन्नोत्पादन का अधिक प्रत्यक्ष प्रमाण है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है: कोठार होने से।

त्वरित सुझाव: खेती के प्रमाण में अनाज के उत्पादन और भंडारण को जोड़ें; केवल परिवहन पर्याप्त प्रमाण नहीं है।

6(v). पाठशाला में पहुँचने के बाद लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया ? [1 अंक]

(A) पढ़ाई में मन नहीं लगने के कारण

(B) पहचान के लड़के नहीं होने के कारण

(C) साथियों के अगली कक्षा में चले जाने के कारण

(D) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

सही उत्तर: (D) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

हल:

अवधारणा:

- पढ़ाई छूटने से उत्पन्न हीनता और संकोच।
- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें पढ़ाई में अंतराल के बाद लेखक जब पाठशाला लौटा, तब उसे अपने से छोटी उम्र और कम समझ के बच्चों के साथ बैठना पड़ा। अपनी स्थिति और कक्षा के बच्चों के बीच यह अंतर उसे खटकता था तथा उसका मन खट्टा हो गया।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें लेखक पढ़ना चाहता था, इसलिए पढ़ाई में मन न लगना सही कारण नहीं है। परिचित लड़कों की अनुपस्थिति या पुराने साथियों का आगे बढ़ना पृष्ठभूमि हो सकते हैं, लेकिन विकल्प (D) उसकी कक्षा में बैठने की विवशता और उससे उपजे संकोच को पूरा व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है: अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण।

त्वरित सुझाव: लेखक की पढ़ने की इच्छा को उसकी कक्षा में बैठने से उपजी हीनता से अलग पहचानें।

6(vi). पाठशाला में सहपाठियों द्वारा तंग किए गए लेखक की तुलना किससे की गई है ? [1 अंक]

(A) घायल गिलहरी से

(B) चूहा से

(C) कोयल से

(D) कौआ से

सही उत्तर: (D) कौआ से

हल:

अवधारणा:

- उपमा के माध्यम से असहायता का चित्रण।
- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें सहपाठी लेखक का गमछा छीनते और धोती खींचकर उसे परेशान करते हैं। पाठ में उसकी स्थिति की तुलना खुले में रखे कौए के बच्चे से की गई है, जिस पर दूसरे कौए चारों ओर से चोंच मारते हैं। इसी तरह वह अपनी पाठशाला में घिरा और आहत अनुभव करता है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें कौआ वाला विकल्प पाठ के इसी स्पष्ट बिंब से मेल खाता है। घायल गिलहरी दुख और असहायता का भाव दे सकती है, पर वह यहाँ प्रयुक्त उपमान नहीं है। चूहा तथा कोयल भी इस प्रसंग की तुलना नहीं हैं। इसलिए अर्थ का सामान्य अनुमान लगाने के बजाय पाठ के कौए वाले प्रसंग को आधार बनाना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है: कौआ से।

त्वरित सुझाव: उपमा वाले प्रश्न में सामान्य समानता के बजाय पाठ में आया ठीक वही उपमान याद करें।

6(vii). लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने के क्या कारण थे ? [1 अंक]

(A) शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार

(B) वसंत की दोस्ती

(C) केवल (a)

(D) (a) और (b) दोनों

सही उत्तर: (D) (a) और (b) दोनों

हल:

अवधारणा:

- प्रोत्साहन और मित्रता से बढ़ता आत्मविश्वास।
- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें शिक्षकों के अपनत्व भरे व्यवहार ने लेखक को पाठशाला में स्वीकार किए जाने का अनुभव कराया। साथ ही वसंत की दोस्ती से उसका अकेलापन कम हुआ और पढ़ाई के वातावरण में सहजता आई। दोनों बातों ने उसका विश्वास बढ़ाया।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें केवल शिक्षकों का व्यवहार बताने से मित्रता की भूमिका छूट जाती है। केवल वसंत की दोस्ती बताने से शिक्षकों के प्रोत्साहन की उपेक्षा होती है। विकल्प (C) भी केवल पहले कारण तक सीमित है। प्रश्न का पूरा उत्तर दोनों कारणों को साथ लेने पर मिलता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है: शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार और वसंत की दोस्ती, दोनों।

त्वरित सुझाव: विश्वास बढ़ने के प्रश्न में शिक्षक का सहयोग और सहपाठी की मित्रता, दोनों को साथ देखें।

6(viii). नगर नियोजन की अनूठी मिसाल किसे कहा गया है ? [1 अंक]

(A) माया सभ्यता

(B) मुअनजो-दड़ो

(C) महाकुंड

(D) मेसोपोटामिया

सही उत्तर: (B) मुअनजो-दड़ो

हल:

अवधारणा:

- नगर निर्माण और सुव्यवस्थित नियोजन।
- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें मुअनजो-दड़ो की सुव्यवस्थित सड़कों, गलियों, मकानों और जल निकासी की व्यवस्था में सोच-समझकर किया गया नगर नियोजन दिखाई देता है। इसी विकसित और संगठित नगर संरचना के कारण उसे नगर नियोजन की अनूठी मिसाल कहा गया है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें माया सभ्यता और मेसोपोटामिया अन्य सभ्यताओं से जुड़े नाम हैं; यहाँ पाठ का संबंधित नगर मुअनजो-दड़ो है। महाकुंड उसी नगर की एक उल्लेखनीय संरचना है, पूरे नगर का नाम नहीं। इसलिए संपूर्ण नगर व्यवस्था के लिए मुअनजो-दड़ो वाला विकल्प उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) है: मुअनजो-दड़ो।

त्वरित सुझाव: नगर नियोजन के प्रश्न में पूरे नगर और उसके भीतर बनी किसी एक संरचना का अंतर देखें।

6(x). मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है ? [1 अंक]

(A) मेलुहा

(B) उलेहा

(C) गढ़

(D) शिव

सही उत्तर: (A) मेलुहा

हल:

अवधारणा:

- शिलालेखों में प्रयुक्त ऐतिहासिक नाम।
- पाठ के संबंधित प्रसंग और प्रत्येक विकल्प के अर्थ की तुलना करके उत्तर चुनना चाहिए।

चरण 1: पाठ के प्रसंग को समझें पाठ में मेसोपोटामिया के शिलालेखों में आए मेलुहा नाम का उल्लेख मिलता है। प्रश्न इसी ऐतिहासिक नाम की पहचान कराता है। सिन्धु सभ्यता से जुड़े इस नाम को मुअनजो-दड़ो के व्यापारिक संपर्कों के प्रसंग में समझना चाहिए।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें उलेहा दिए गए सही नाम का बदला हुआ रूप है। गढ़ किसी ऊँचे अथवा सुरक्षित नगर क्षेत्र के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द है। शिव देवता का नाम है। ये तीनों इस प्रसंग में मेसोपोटामिया के शिलालेखों का अपेक्षित नाम नहीं हैं; सही नाम मेलुहा है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) है: मेलुहा।

त्वरित सुझाव: मेलुहा नाम को मेसोपोटामिया और सिन्धु सभ्यता के व्यापारिक संपर्कों से जोड़कर याद रखें।

7(क). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

चलते-चलते पैरों में मोच आ जाना [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में साधारण घटना को सजीव अनुभव में बदलना होता है। इस विषय में चलते समय मोच आने की घटना, तत्काल अनुभूति और उससे मिली सीख को सहज क्रम में प्रस्तुत करना उपयुक्त है।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में दृश्य, भाव और विचार का संतुलन रखें। प्रथम पुरुष शैली तथा संवाद का सीमित प्रयोग अनुभव को विश्वसनीय बनाता है।

चरण 1: रूपरेखा और अभिव्यक्ति की योजना लेख का आरंभ प्रसन्न मन से चलने के दृश्य से करें। फिर पैर मुड़ने, दर्द होने और सहायता मिलने की घटना रखें। अंत में शारीरिक असुविधा से उपजी मानवीय संवेदना तथा सावधानी की सीख व्यक्त करें। केवल उपचार का विवरण देने के बजाय बदलती मन:स्थिति दिखाएँ। शीर्षक विषय के अनुरूप हो और घटनाएँ एक ही अनुभव से जुड़ी रहें। सड़क की स्थिति जैसा छोटा विवरण दुर्घटना का कारण स्पष्ट करता है। बुजुर्ग की सहायता से कथा में मानवीय पक्ष आता है। प्रतियोगिता छूटने का दुख घटना का व्यक्तिगत प्रभाव बताता है। निष्कर्ष उपदेश की तरह अलग से जोड़ने के बजाय अनुभव से स्वाभाविक रूप से निकलना चाहिए।

चरण 2: पूर्ण नमूना लेख **चलते-चलते पैरों में मोच आ जाना**

सुबह की ठंडी हवा में मैं विद्यालय की ओर चला जा रहा था। मन में होने वाली प्रतियोगिता का उत्साह था। अचानक टूटी सड़क पर मेरा पैर मुड़ा और टखने में तेज दर्द उठा। अगले ही क्षण मैं वहीं बैठ गया। अभी तक सहज लगने वाला हर कदम अब कठिन परीक्षा बन गया था। राह चलते एक बुजुर्ग ने मुझे सहारा देकर पास की बेंच पर बैठाया। मैंने घर फोन किया। कुछ देर बाद पिताजी आए और मुझे चिकित्सक के पास ले गए। आराम की सलाह सुनकर प्रतियोगिता छूटने का दुख हुआ, पर उस अनजान व्यक्ति की सहायता याद करके मन भर आया। उस दिन समझा कि जल्दी से अधिक जरूरी सावधानी है और अनजान लोगों की छोटी सहायता भी कितना बड़ा संबल बन सकती है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रस्तुत लेख में चलते समय मोच आने की घटना, पीड़ा, सहायता और उससे मिली सीख का सुसंबद्ध वर्णन किया गया है।

त्वरित सुझाव: इस विषय में पहले पैर मुड़ने का दृश्य लिखें, फिर दर्द और सहायता दिखाएँ तथा अंत में उसी घटना से निकली सीख जोड़ें।

7(ख). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

जब मैट्रो की बिजली गुम हो गई [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- अप्रत्याशित विषय पर रचनात्मक लेख में कल्पना को दैनिक जीवन के विश्वसनीय अनुभवों से जोड़ते हैं। मेट्रो की बिजली जाने के प्रसंग में अचानक आए ठहराव से यात्रियों की चिंता और सहयोग की भावना उभर सकती है।
- लगभग 120 शब्दों में एक सीमित घटना का आरंभ, विकास और अंत प्रस्तुत करें। वातावरण का संकेत, यात्रियों की प्रतिक्रिया और लेखक का अनुभव लेख को सजीव बनाते हैं।

चरण 1: प्रारूप और विषयवस्तु की योजना विषयानुकूल शीर्षक देकर प्रथम पुरुष में घटना लिखें। सामान्य यात्रा से शुरुआत करें, फिर बिजली जाने पर गाड़ी रुकने और यात्रियों के चिंतित होने का वर्णन दें। कर्मचारियों की सूचना तथा यात्रियों का सहयोग तनाव कम करें। अंत में यात्रा फिर शुरू होने पर मिला अनुभव व्यक्त करें। तकनीकी कारणों की कल्पित व्याख्या आवश्यक नहीं है; लेख का केंद्र मानवीय प्रतिक्रिया रहे। आरंभ और अंत एक ही यात्रा से जुड़े हों। छोटे वाक्यों से शुरुआती घबराहट तथा संयत भाषा से बाद का धैर्य व्यक्त किया जा सकता है। बुजुर्ग या बच्चे की प्रतिक्रिया जैसा एक विवरण वातावरण को जीवंत बनाता है। विषय को दुर्घटना की सनसनीखेज कहानी बनाने के बजाय सामान्य यात्रियों की साझा परेशानी और संवेदना पर केंद्रित रखें।

चरण 2: पूर्ण नमूना लेख **जब मैट्रो की बिजली गुम हो गई**

उस दिन मेट्रो में सभी अपनी दुनिया में व्यस्त थे। कोई फोन देख रहा था, कोई किताब पढ़ रहा था। अचानक गाड़ी झटके से रुकी और मुख्य बत्तियाँ बुझ गईं। आपातकालीन रोशनी में यात्रियों के चिंतित चेहरे दिखने लगे। एक बच्चे ने माँ का हाथ कसकर पकड़ लिया। घोषणा हुई कि बिजली की समस्या के कारण गाड़ी रुकी है; यात्री धैर्य रखें। पास बैठे युवक ने घबराए बुजुर्ग को पानी दिया। कुछ लोग हल्की बातचीत करके सबका ध्यान बाँटने लगे। थोड़ी देर में रोशनी लौटी और गाड़ी चल पड़ी। डिब्बे में राहत की साँस गूँज उठी। उस छोटे ठहराव ने अनजान यात्रियों को जोड़ दिया था। मुझे लगा, मशीनें रुक सकती हैं, पर मनुष्य का धैर्य और सहयोग जीवन को आगे बढ़ाते रहते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष नमूना लेख में मेट्रो की बिजली जाने से उपजी चिंता, यात्रियों के सहयोग और अंततः मिली राहत को क्रमबद्ध तथा सजीव रूप में व्यक्त किया गया है।

त्वरित सुझाव: बिजली जाने पर केवल अँधेरा न लिखें; यात्रियों के चेहरे, घोषणा और आपसी सहायता से घटना का मानवीय पक्ष उभारें।

7(ग). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

मैं और मेरा मित्र [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में अनुभव, कल्पना और संवेदना को मौलिक तथा क्रमबद्ध भाषा मिलती है। मित्र के व्यक्तित्व, साझा अनुभव और मित्रता से मिली सीख को आत्मीय ढंग से प्रस्तुत करना है।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में विषय से जुड़े चुने हुए प्रसंग रखें। शीर्षक, आरंभ, विकास और प्रभावी समापन से रचना पूर्ण होती है।

चरण 1: विषय और प्रस्तुति की रूपरेखा विद्यालय का कोई छोटा अनुभव चुनकर मित्र के सहयोग, स्वभाव और अपने भावों को जोड़ें। घटनाओं का क्रम स्पष्ट रहे और अंत में मित्रता का महत्त्व उभरे। प्रथम पुरुष शैली से अनुभव की आत्मीयता बनी रहेगी। अनावश्यक भूमिका और विषय से असंबद्ध विवरण छोड़ना उपयोगी है।

चरण 2: भाषा और भावों का संयोजन सरल, स्वाभाविक और चित्रात्मक भाषा चुनें। केवल विशेषणों की सूची देने के बजाय छोटी घटनाओं तथा ठोस विवरणों से भाव स्पष्ट करें। वाक्यों में तारतम्य रखें, पुनरावृत्ति से बचें और अंतिम विचार को पहले के अनुभव से जोड़ें।

चरण 3: पूर्ण रचनात्मक लेख **मैं और मेरा मित्र**

मैं और मेरा मित्र आरव बचपन से साथ पढ़ते हैं। हमारे स्वभाव अलग हैं; मैं थोड़ा संकोची हूँ और वह सबसे जल्दी घुलमिल जाता है। फिर भी हमारी मित्रता की डोर बहुत मजबूत है। एक बार भाषण प्रतियोगिता से पहले मैं घबरा गया। आरव ने रोज मेरा अभ्यास सुना और गलतियाँ सुधारने में सहायता की। मंच पर जाते समय उसका मुसकराता चेहरा देखकर मेरा डर दूर हो गया। पुरस्कार मिलने पर वह मुझसे भी अधिक खुश था। हम साथ खेलते हैं, पुस्तकें बाँटते हैं और कभी झगड़ भी लेते हैं, पर मन में कटुता नहीं रखते। उसने मुझे सिखाया है कि सच्चा मित्र केवल प्रशंसा नहीं करता, सही राह भी दिखाता है। उसका साथ मेरे जीवन का अनमोल उपहार है।

चरण 4: निष्कर्ष यह लेख विषय को व्यक्तिगत अनुभव से जोड़ते हुए स्पष्ट आरंभ, क्रमबद्ध विकास और भावपूर्ण समापन प्रस्तुत करता है। चुने हुए विवरण रचना की आत्मीयता और प्रभाव बनाए रखते हैं।

त्वरित सुझाव: पहले तीन संकेत लिख लें—आरंभ का दृश्य, बीच का मुख्य अनुभव और अंत की अनुभूति; फिर लगभग 120 शब्दों में उन्हें सहज रूप से जोड़ें।

7(घ). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

पहाड़ी प्रदेश में एक दिन [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में अनुभव, कल्पना और संवेदना को मौलिक तथा क्रमबद्ध भाषा मिलती है। यात्रा के एक दिन को प्रकृति, स्थानीय जीवन और व्यक्तिगत अनुभूति के सहारे सजीव बनाना है।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में विषय से जुड़े चुने हुए प्रसंग रखें। शीर्षक, आरंभ, विकास और प्रभावी समापन से रचना पूर्ण होती है।

चरण 1: विषय और प्रस्तुति की रूपरेखा सुबह से शाम तक का क्रम रखें। दृश्य, ध्वनि और स्पर्श के अनुभवों का चयन करें तथा अंत में यात्रा से मिली अनुभूति व्यक्त करें। प्रथम पुरुष शैली से अनुभव की आत्मीयता बनी रहेगी। अनावश्यक भूमिका और विषय से असंबद्ध विवरण छोड़ना उपयोगी है।

चरण 2: भाषा और भावों का संयोजन सरल, स्वाभाविक और चित्रात्मक भाषा चुनें। केवल विशेषणों की सूची देने के बजाय छोटी घटनाओं तथा ठोस विवरणों से भाव स्पष्ट करें। वाक्यों में तारतम्य रखें, पुनरावृत्ति से बचें और अंतिम विचार को पहले के अनुभव से जोड़ें।

चरण 3: पूर्ण रचनात्मक लेख **पहाड़ी प्रदेश में एक दिन**

सुबह खिड़की खुली तो सामने पहाड़ों की चोटियाँ सुनहरी धूप में नहा रही थीं। चीड़ के पेड़ों से आती ठंडी हवा ने नींद का बचा हुआ आलस्य मिटा दिया। नाश्ते के बाद हम सँकरी पगडंडी पर निकल पड़े। नीचे घाटी में नदी चाँदी की लकीर जैसी चमक रही थी। रास्ते में मिले एक बुज़ुर्ग ने हमें पहाड़ी फलों का स्वाद चखाया। उनके सहज अपनत्व ने मन मोह लिया। दोपहर को अचानक बादल घिरे और हल्की बूँदें पड़ने लगीं। हम एक छोटी दुकान में बैठकर गरम चाय पीने लगे। शाम तक आकाश साफ हो गया। डूबते सूरज ने पहाड़ों पर लालिमा बिखेर दी। उस शांत वातावरण में लगा कि प्रकृति के पास बैठकर मन की सारी उलझनें सुलझ सकती हैं।

चरण 4: निष्कर्ष यह लेख विषय को व्यक्तिगत अनुभव से जोड़ते हुए स्पष्ट आरंभ, क्रमबद्ध विकास और भावपूर्ण समापन प्रस्तुत करता है। चुने हुए विवरण रचना की आत्मीयता और प्रभाव बनाए रखते हैं।

त्वरित सुझाव: पहले तीन संकेत लिख लें—आरंभ का दृश्य, बीच का मुख्य अनुभव और अंत की अनुभूति; फिर लगभग 120 शब्दों में उन्हें सहज रूप से जोड़ें।

8(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ? मुद्रित माध्यमों की विशेषता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- मुद्रित माध्यम में सूचना या विचार कागज़ पर छपे शब्दों और चित्रों के रूप में पाठक तक पहुँचते हैं।
- इसकी विशेषताओं को पाठक की सुविधा, सामग्री के स्थायित्व और साक्षरता की आवश्यकता से जोड़कर समझना चाहिए।

चरण 1: उत्तर की रूपरेखा पहले मुद्रित माध्यम का अर्थ और उदाहरण दें। फिर पुनर्पाठ, सुरक्षित रखने, विस्तार से पढ़ने तथा अपनी गति से अध्ययन करने की सुविधा बताएँ। इसकी पहुँच की सीमा स्पष्ट करने के लिए साक्षर होना आवश्यक होने का उल्लेख करें।

चरण 2: विशेषताओं का आधार समझें छपी सामग्री प्रसारण की तरह तुरंत गायब नहीं होती, इसलिए पाठक कठिन अंश को फिर पढ़ सकता है। वह किसी पृष्ठ को छोड़कर अपनी रुचि का समाचार पहले पढ़ सकता है। पुराने अंक सुरक्षित रखने से तथ्य और विचार बाद में भी उपलब्ध रहते हैं। विस्तार से विश्लेषण की सुविधा इसे गंभीर अध्ययन के लिए उपयोगी बनाती है। ये बातें नीचे दिए संक्षिप्त उत्तर का आधार हैं।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में उत्तर मुद्रित माध्यम वे जनसंचार माध्यम हैं जिनमें सूचनाएँ, विचार और संदेश कागज़ पर छापकर प्रस्तुत किए जाते हैं। समाचारपत्र, पत्रिकाएँ और पुस्तकें इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनकी सामग्री को पाठक अपनी सुविधा, रुचि और गति के

अनुसार पढ़ सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर दोबारा भी देख सकता है। इन्हें सुरक्षित रखकर संदर्भ के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इनमें विषयों का विस्तृत विवेचन संभव है। हालाँकि इनका लाभ उठाने के लिए पाठक का साक्षर होना आवश्यक है।

चरण 4: निष्कर्ष मुद्रित माध्यम छपी हुई सामग्री द्वारा संचार करते हैं; पुनर्पाठ, संग्रह और विस्तृत प्रस्तुति इनकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

त्वरित सुझाव: अर्थ के साथ समाचारपत्र का उदाहरण जोड़ें और विशेषताओं में पाठक की गति, पुनर्पाठ तथा संग्रह की सुविधा अवश्य लिखें।

8(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

समाचार लेखन के समय प्राय: किन प्रश्नों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ? इन्हें किस रूप में जाना जाता है ? समाचार के मुखड़े, बॉडी और समापन में किन प्रश्नों को आधार बनाया जाता है ? [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- समाचार किसी घटना की तथ्यपरक जानकारी देता है। उसकी पूर्णता के लिए क्या, कौन, कब, कहाँ, क्यों और कैसे का उत्तर आवश्यक होता है।
- उलटा पिरामिड शैली में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण जानकारी पहले आती है; उसके बाद विवरण और पृष्ठभूमि रखे जाते हैं।

चरण 1: प्रश्न के सभी पक्ष पहचानें उत्तर में छह प्रश्नों के नाम, उनका सामूहिक नाम और समाचार के तीन भागों में उनका स्थान बताना है। केवल छह ककार गिना देना पर्याप्त नहीं होगा। मुखड़ा घटना की तुरंत पहचान कराता है और शेष भाग उसकी वजह तथा प्रक्रिया स्पष्ट करते हैं।

चरण 2: समाचार की संरचना समझें मुखड़े में सामान्यत: पहले चार ककारों द्वारा मुख्य घटना, उससे जुड़े व्यक्ति, समय और स्थान की जानकारी दी जाती है। बॉडी में क्यों और कैसे के उत्तर देकर कारण, घटनाक्रम और पृष्ठभूमि स्पष्ट की जाती है। समापन में आवश्यक शेष विवरण, कम महत्त्वपूर्ण तथ्य अथवा आगे की स्थिति दी जा सकती है। समापन के लिए अलग निश्चित ककार नहीं है; तथ्य को उसके महत्त्व और समाचार की प्रकृति के अनुसार रखा जाता है।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में उत्तर समाचार लिखते समय क्या हुआ, कौन संबंधित है, घटना कब और कहाँ हुई, क्यों हुई तथा कैसे हुई जैसे प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं। इन्हें छह ककार कहते हैं। समाचार के मुखड़े में सामान्यत: क्या, कौन, कब और कहाँ का संक्षिप्त उत्तर देकर मुख्य सूचना प्रस्तुत की जाती है। बॉडी में क्यों और कैसे को आधार बनाकर कारण, घटनाक्रम और पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हैं। समापन में शेष आवश्यक विवरण और कम महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ दी जाती हैं; इसके लिए कोई अलग निश्चित ककार नहीं है।

चरण 4: निष्कर्ष छह ककार समाचार को पूर्ण बनाते हैं; मुखड़ा मुख्य सूचना देता है, बॉडी उसका विस्तार करती है और समापन शेष विवरण समेटता है।

त्वरित सुझाव: छह ककार गिनाने के बाद पहले चार को मुखड़े से तथा क्यों और कैसे को बॉडी से जोड़कर उत्तर पूरा करें।

8(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र पत्रकार के अंतर को स्पष्ट कीजिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पत्रकारीय लेखन में जनसंचार माध्यमों के लिए तथ्यपरक समाचार, रिपोर्ट, लेख और संपादकीय आदि तैयार किए जाते हैं। इसका आधार सत्यता, स्पष्टता और जनहित है।
- पत्रकारों का वर्गीकरण मुख्यत: पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र पत्रकार के रूप में किया जाता है। अंतर समझाते समय नियुक्ति,

पारिश्रमिक तथा कार्य की स्वतंत्रता पर ध्यान देना चाहिए।

चरण 1: उत्तर की रूपरेखा पहले पत्रकारीय लेखन की परिभाषा दें, फिर पत्रकारों के तीनों प्रकार लिखें। अंत में पूर्णकालिक पत्रकार की नियमित नियुक्ति और स्वतंत्र पत्रकार की रचनानुसार सेवा का अंतर स्पष्ट करें। स्वतंत्र पत्रकार को किसी एक संस्था का नियमित कर्मचारी बताना सही नहीं होगा। अंशकालिक पत्रकार भी संस्था को सेवाएँ देता है, किंतु उसकी नियुक्ति पूर्ण समय के लिए नहीं होती। इस तीसरे प्रकार का उल्लेख तुलना को अधिक स्पष्ट बनाता है।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में उत्तर समाचारपत्र, पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन आदि के लिए तथ्यपूर्ण, स्पष्ट और जनहितकारी सामग्री लिखना पत्रकारीय लेखन कहलाता है। पत्रकार मुख्यतः पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र होते हैं। पूर्णकालिक पत्रकार किसी समाचार संस्था का नियमित वेतनभोगी कर्मचारी होता है और उसके निर्धारित दायित्व निभाता है। स्वतंत्र पत्रकार किसी एक संस्था की स्थायी नौकरी से बँधा नहीं होता; वह अपनी रुचि और विशेषज्ञता के अनुसार विभिन्न संस्थाओं को सामग्री देता है तथा प्रकाशित या स्वीकृत रचना के अनुसार पारिश्रमिक प्राप्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष पत्रकारीय लेखन का केंद्र तथ्य और जनहित हैं; पूर्णकालिक तथा स्वतंत्र पत्रकार में मुख्य अंतर नियमित संस्थागत नियुक्ति और स्वतंत्र रूप से सामग्री देने का है।

त्वरित सुझाव: परिभाषा और तीनों प्रकार लिखने के बाद नियुक्ति, वेतन और कार्य की स्वतंत्रता के आधार पर तुलना करें।

9(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद लेखन की महत्त्वपूर्ण शर्तों को स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी के नाट्य रूपांतरण में कथावाचन को दृश्य, अभिनय और पात्रों के संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।
- संवाद पात्र, परिस्थिति और नाटकीय उद्देश्य के अनुरूप हों; वे कथा को आगे बढ़ाएँ तथा बोलने और अभिनय करने में सहज लगें।

चरण 1: संवादों की आवश्यक शर्तें पहचानें कहानी में लेखक जो बात वर्णन से बताता है, नाटक में उसे पात्रों की बातचीत और क्रिया से प्रकट करना होता है। इसलिए संवाद केवल जानकारी देने वाले लंबे भाषण न बनें। पात्र की आयु, सामाजिक पृष्ठभूमि और मनःस्थिति के अनुसार भाषा चुनना आवश्यक है। हर संवाद का संबंध वर्तमान दृश्य से होना चाहिए। संवादों में पात्रों के आपसी संबंध भी उभरने चाहिए। प्रसंग के अनुसार प्रश्न, प्रत्युत्तर और छोटे विराम नाटकीयता बढ़ाते हैं। मूल कहानी का केंद्रीय भाव सुरक्षित रखना भी आवश्यक है, ताकि रूपांतरण में उसका आशय न बदले।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद संक्षिप्त, स्वाभाविक, बोलचाल के अनुकूल और अभिनययोग्य होने चाहिए। उनकी भाषा पात्रों की आयु, स्वभाव, सामाजिक स्थिति तथा परिस्थिति से मेल खाए। संवाद कथा को आगे बढ़ाएँ, चरित्र खोलें और नाटकीय तनाव पैदा करें। अनावश्यक विवरण तथा लंबे भाषण न हों। कहानी का आवश्यक वर्णन पात्रों की बातचीत और क्रिया में सहज ढंग से समाहित हो।

चरण 3: निष्कर्ष सफल नाट्य संवाद पात्रानुकूल, सहज और उद्देश्यपूर्ण होते हैं तथा कथा, चरित्र और नाटकीय प्रभाव को एक साथ विकसित करते हैं।

त्वरित सुझाव: हर संवाद को बोलकर जाँचें: क्या वह पात्र के अनुकूल है और दृश्य या कथानक को आगे बढ़ाता है?

9(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

रेडियो नाटक में आवाज की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो एक श्रव्य माध्यम है; इसमें दर्शनीय मंच, वेशभूषा अथवा चेहरे के भाव सीधे दिखाई नहीं देते।
- रेडियो नाटक में संवाद, स्वर के उतार-चढ़ाव, ध्वनि-प्रभाव और संगीत मिलकर श्रोता के मन में दृश्य रचते हैं।

चरण 1: श्रव्य माध्यम की विशेषता समझें रेडियो नाटक का श्रोता पात्रों को देख नहीं सकता। इसलिए पात्र की पहचान, भाव और स्थिति आवाज से स्पष्ट होने चाहिए। स्वर की गति, विराम तथा ऊँचाई में बदलाव खुशी, भय या क्रोध जैसे भाव व्यक्त करते हैं। वातावरण की ध्वनियाँ घटना का स्थान और उसकी गति समझाने में सहायता करती हैं। केवल ऊँची आवाज में बोलना प्रभावी अभिनय नहीं है। स्पष्ट उच्चारण और प्रसंगानुकूल स्वर आवश्यक हैं। जैसे कदमों या दरवाजे की ध्वनि से बिना दृश्य दिखाए किसी के आने का संकेत मिलता है; ध्वनियाँ कथानक से जुड़ी होनी चाहिए।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रेडियो नाटक में आवाज ही अभिव्यक्ति का प्रमुख साधन है, क्योंकि श्रोता पात्रों और दृश्य को देख नहीं सकता। संवाद, स्वर के उतार-चढ़ाव, लय और विराम से पात्रों का व्यक्तित्व, भाव तथा मनःस्थिति स्पष्ट होते हैं। संगीत और ध्वनि-प्रभाव वातावरण, स्थान और घटना का बोध कराते हैं। इस प्रकार आवाज श्रोता की कल्पना में दृश्य बनाकर नाटक को जीवंत और प्रभावी बनाती है।

चरण 3: निष्कर्ष आवाज रेडियो नाटक में पात्र, भाव, वातावरण और घटना को श्रव्य रूप देकर श्रोता के मन में संपूर्ण दृश्य उपस्थित करती है।

त्वरित सुझाव: उत्तर को पात्र, भाव, वातावरण और कल्पित दृश्य के चार आधारों पर व्यवस्थित करें और ध्वनि-प्रभाव का उल्लेख करें।

9(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तुलना खुले मैदान से क्यों की गई है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- अप्रत्याशित विषय लेखक को बँधी हुई सामग्री और पूर्वनिर्धारित रूपरेखा से बाहर सोचने का अवसर देते हैं।
- खुले मैदान की उपमा कल्पना, मौलिकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को स्पष्ट करती है।

चरण 1: तुलना का आधार पहचानिए खुले मैदान में व्यक्ति अपनी दिशा और गति स्वयं चुन सकता है। इसी प्रकार नए विषय पर लिखते समय लेखक किसी तैयार उत्तर या रूढ़ ढाँचे का अनुसरण करने के लिए बाध्य नहीं होता। वह अपने अनुभवों और विचारों से विषय का विकास करता है।

चरण 2: अर्थ को स्पष्ट कीजिए इस उपमा में खुलापन विषय को मनमाना या असंबद्ध बना देने की छूट नहीं है। लेखन का केंद्र दिया गया विषय ही रहता है, लेकिन लेखक उससे जुड़े नए प्रश्न, दृष्टिकोण और अनुभव चुनता है। इसलिए तैयारी में रटना पर्याप्त नहीं; आसपास के जीवन को देखना, स्वतंत्र विचार करना और विचारों को क्रमबद्ध करना आवश्यक है। उत्तर का मुख्य बल इसी रचनात्मक स्वतंत्रता पर होना चाहिए।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन खुले मैदान की तरह है, क्योंकि इसमें लेखक को सोचने और अपनी बात कहने की स्वतंत्रता मिलती है। किसी बने-बनाए ढाँचे या रटी हुई सामग्री का बंधन नहीं होता। लेखक अपनी कल्पना, अनुभव और मौलिक दृष्टि से विषय को विकसित करता है। जैसे खुले मैदान में अपनी दिशा चुनते हैं, वैसे ही यहाँ अभिव्यक्ति का मार्ग स्वयं बनाते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष खुले मैदान की तुलना लेखन में कल्पना, मौलिक चिंतन और स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अवसर से की गई है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में मैदान का वर्णन बढ़ाने के बजाय उसकी स्वतंत्रता को लेखक की कल्पना और विषय-विकास से जोड़िए।

10(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि रावण की बात सुनकर कुंभकरण क्यों बिलखने लगा था। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कुंभकरण का विलाप सीता-हरण के परिणाम और रावण के विनाशकारी आचरण की पहचान से जुड़ा है।
- उत्तर में रावण की सूचना, कुंभकरण की प्रतिक्रिया और उस प्रतिक्रिया का कारण क्रम से स्पष्ट करना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग और प्रतिक्रिया समझिए नींद से जागने पर कुंभकरण रावण से युद्ध की स्थिति सुनता है। रावण सीता-हरण तथा अपने अनेक योद्धाओं के मारे जाने का वृत्तांत बताता है। कुंभकरण समझ जाता है कि रावण ने जगज्जननी सीता का हरण करके अत्यंत अनर्थ किया है। उसकी व्यथा केवल युद्ध की हानि तक सीमित नहीं है।

चरण 2: अर्थ को स्पष्ट कीजिए कुंभकरण की प्रतिक्रिया में विवेक और आत्मीय दुख दोनों हैं। वह रावण के कर्म को उचित ठहराकर उसे सांत्वना नहीं देता, बल्कि उसके अहित का कारण पहचानता है। सीता के दिव्य स्वरूप की उसकी पहचान रावण की शक्ति के अहंकार से भिन्न है। इसलिए उसका बिलखना साधारण सैनिक भय नहीं, भाई के अविवेक से आने वाले व्यापक विनाश का शोक है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रावण ने कुंभकरण को बताया कि उसने सीता का हरण किया है और युद्ध में उसके अनेक प्रमुख योद्धा मारे गए हैं। यह सुनकर कुंभकरण बिलख उठा। वह जानता था कि सीता जगज्जननी हैं। उनका हरण करके रावण ने अपने कल्याण का मार्ग नष्ट कर लिया है। उसे रावण के अनर्थकारी कर्म से समूचे राक्षसकुल का विनाश निश्चित दिखाई देने लगा था।

चरण 4: निष्कर्ष कुंभकरण रावण के सीता-हरण और उससे निश्चित हुए राक्षसकुल के विनाश की आशंका से बिलखने लगा।

त्वरित सुझाव: विलाप का कारण लिखते समय सीता को साधारण बंदिनी न कहें; जगज्जननी के हरण से जुड़े अनर्थ को स्पष्ट करें।

10(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि बादलों की रणभेरी को सुनकर सोये हुए अंकुरों में किस प्रकार की चेतना उभरती है।

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बादल क्रांति और परिवर्तन के प्रतीक हैं; छोटे अंकुर नवजीवन तथा उपेक्षित जन की आशा का संकेत देते हैं।
- रणभेरी से उत्पन्न चेतना को जागरण, उत्साह और संघर्ष की तत्परता के रूप में समझना चाहिए।

चरण 1: बिंब और प्रतीक का संबंध समझिए बादलों के गर्जन को रणभेरी कहना परिवर्तन के संघर्ष का संकेत है। धरती के भीतर सोए अंकुर उस गर्जन से नया जीवन पाकर सिर उठाते हैं और बादलों को आशा से देखते हैं। इस दृश्य में भय नहीं, बल्कि छोटे और वंचित जन की मुक्ति की संभावना तथा नए जीवन का उल्लास प्रमुख है।

चरण 2: अर्थ को स्पष्ट कीजिए अंकुरों का छोटा आकार उनकी कमजोरी का अंतिम संकेत नहीं बनता। अनुकूल वर्षा उन्हें बढ़ने की शक्ति देती है। इसी तरह परिवर्तन का आह्वान उपेक्षित लोगों में अपने अधिकार और भविष्य के प्रति जागृति लाता है। कविता में बादलों की शक्ति से बड़े, संपन्न वर्ग में भय हो सकता है, लेकिन अंकुरों में आशा जन्मती है; उत्तर में इसी सकारात्मक प्रतिक्रिया को स्पष्ट रखना चाहिए।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर बादलों की रणभेरी सुनकर धरती में सोए हुए अंकुर जाग उठते हैं। उनमें नवजीवन, उत्साह और आगे बढ़ने की चेतना भर जाती है। वे सिर उठाकर आशा भरी दृष्टि से बादलों को देखते हैं। प्रतीक रूप में ये अंकुर शोषित और उपेक्षित जन हैं, जिनमें क्रांति के आह्वान से अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने तथा नया जीवन पाने की आशा जागती है।

चरण 4: निष्कर्ष बादलों की रणभेरी अंकुरों में नवजीवन, आशा और परिवर्तन के संघर्ष में भाग लेने का उत्साह जगाती है।

त्वरित सुझाव: अंकुरों की प्राकृतिक प्रतिक्रिया के साथ उनका शोषित जन वाला प्रतीकात्मक अर्थ भी जोड़िए, ताकि भाव पूरा हो।

10(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'उषा' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उषा का जादू टूटने से आप क्या समझते हैं। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- उषा के बदलते रंगों को कवि ने घरेलू उपमानों द्वारा रहस्यपूर्ण और आकर्षक रूप में चित्रित किया है।
- सूर्योदय से पूर्व का रंगमय दृश्य सूर्य निकलने पर समाप्त हो जाता है; यही जादू टूटना है।

चरण 1: कविता के अंतिम परिवर्तन को समझिए कविता में सुबह का आकाश कभी नीले शंख, कभी राख से लीपे चौके और कभी केसर से धुली सिल जैसा दिखाई देता है। ये उपमान उषाकाल के क्षण-क्षण बदलते रंगों का आकर्षण रचते हैं। सूर्य के प्रकट होते ही यह मोहक, कल्पनामय स्थिति समाप्त होती है और स्पष्ट दिन का प्रकाश फैलता है।

चरण 2: अर्थ को स्पष्ट कीजिए यह परिवर्तन प्रकृति के सौंदर्य की क्षणभंगुरता भी प्रकट करता है। उषा का आकर्षण अँधेरे और उजाले के बीच की विशेष स्थिति में बनता है। सूर्य के प्रकाश में वस्तुएँ स्पष्ट होने लगती हैं और वह रंगमय रहस्य नहीं बचता। अतः जादू टूटने में किसी दुखद घटना या उषा की हार का अर्थ नहीं है; यह सुबह से दिन में होने वाला सहज प्राकृतिक परिवर्तन है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर उषा का जादू टूटने का अर्थ है सूर्योदय के साथ भोर के मोहक और रहस्यमय सौंदर्य का समाप्त हो जाना। सूर्य निकलने से पहले आकाश में नीले, लाल और केसरिया रंगों का सुंदर परिवर्तन दिखाई देता है। कवि इन्हें विविध उपमानों से साकार करता है। सूर्य के उदित होते ही प्रकाश फैल जाता है और रंगों से बना वह अद्भुत सम्मोहन समाप्त हो जाता है।

चरण 4: निष्कर्ष सूर्योदय से उषाकाल के बदलते रंगों का मोहक सम्मोहन समाप्त होना ही उषा का जादू टूटना है।

त्वरित सुझाव: जादू का अर्थ वास्तविक चमत्कार न लें; इसे भोर के रंगों के सम्मोहन और सूर्योदय से उसके अंत से जोड़िए।

11(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

बात और भाषा किस प्रकार एक-दूसरे से जुड़ी हुई है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कुँवर नारायण की कविता में बात अभिप्रेत विचार या भाव है और भाषा उसे व्यक्त करने का माध्यम है।
- सहज भाषा विचार को स्पष्ट करती है; अनावश्यक भाषिक सजावट उसकी स्वाभाविकता बिगाड़ सकती है।

चरण 1: विचार और अभिव्यक्ति का संबंध कवि के अनुसार बात अपने आप में सीधी और स्पष्ट हो सकती है। उसे दूसरों तक पहुँचाने के लिए भाषा की आवश्यकता होती है। इसलिए भाव और अभिव्यक्ति का संबंध साध्य और साधन का है। भाषा की सफलता इसी में है कि मूल बात श्रोता तक ठीक रूप में पहुँचे।

चरण 2: कविता का संकेत और उत्तर बात को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए भाषा को लगातार उलटने-पलटने पर बात की सहजता नष्ट हो जाती है। कविता में इसी प्रयास से सीधी बात के टेढ़ी हो जाने की स्थिति आती है।

आदर्श उत्तर: बात विचार या भाव है और भाषा उसकी अभिव्यक्ति का माध्यम। सहज, स्पष्ट भाषा बात को प्रभावी बनाती है। भाषा को अनावश्यक रूप से सजाने और उलझाने पर मूल आशय खो जाता है। इसलिए भाषा को बात के अनुरूप होना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष बात और भाषा परस्पर संबद्ध हैं; भाषा का रूप ऐसा होना चाहिए कि मूल भाव अपनी सहजता के साथ व्यक्त हो।

त्वरित सुझाव: पहले बात को साध्य और भाषा को माध्यम बताइए, फिर अनावश्यक सजावट का प्रभाव लिखिए।

11(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

"जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते" — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हरिवंश राय बच्चन की कविता में समाज की अपेक्षाओं और कवि की निजी अनुभूतियों के बीच अंतर उभरता है।
- जग की गाना संसार की रुचियों, अपेक्षाओं और प्रचलित विचारों के अनुरूप गाना है।

चरण 1: पंक्ति के प्रमुख शब्दों का आशय यहाँ जग संसार या समाज है और पूछना महत्त्व देना अथवा सम्मान करना है। जग की गाने वाले वे लोग हैं जो समाज की रुचि और अपेक्षाओं के अनुकूल अपनी बात कहते हैं। पंक्ति में समाज के मूल्यांकन की इसी प्रवृत्ति की ओर संकेत है।

चरण 2: कवि की स्थिति और उत्तर कवि अपनी निजी अनुभूतियों और मन के गीतों को महत्त्व देता है। उसकी संवेदना केवल सामाजिक प्रशंसा पाने के लिए नहीं बदलती। इसलिए पंक्ति में संसार की स्वीकृति और कवि की स्वतंत्र अनुभूति का अंतर समझना आवश्यक है।

आदर्श उत्तर: संसार उन्हीं को मान-सम्मान देता है जो उसकी रुचि और अपेक्षाओं के अनुरूप गाते हैं। कवि अपनी अनुभूतियों के गीत गाता है, इसलिए वह संसार की प्रशंसा का आग्रह नहीं करता। पंक्ति समाज की स्वीकृति और कवि की वैयक्तिकता का अंतर बताती है।

चरण 3: निष्कर्ष पंक्ति का भाव है कि समाज अपनी पसंद के अनुरूप बोलने वालों को महत्त्व देता है, जबकि कवि अपनी अनुभूतियों के प्रति निष्ठावान है।

त्वरित सुझाव: जग पूछ रहा का अर्थ प्रश्न पूछना न लिखें; यहाँ उसका अर्थ महत्त्व और मान-सम्मान देना है।

11(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

"पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं" — कवि ने बच्चों के लिए ऐसा क्यों कहा है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आलोक धन्वा की कविता में पतंग उड़ाना बच्चों के उल्लास, कल्पना और निर्भीकता की अभिव्यक्ति है।
- बच्चों का उड़ना वास्तविक शारीरिक उड़ान नहीं, पतंग के साथ भावनात्मक तन्मयता का बिंब है।

चरण 1: दृश्य और तन्मयता समझना बच्चे छतों पर उत्साह से दौड़ते हुए पतंग उड़ाते हैं। उनका ध्यान पतंग की गति और ऊँचाई में डूब जाता है। वे अपनी कल्पना में स्वयं को भी आकाश की ओर उठता अनुभव करते हैं। इस प्रकार पतंग की उड़ान उनके भीतर की उमंग को व्यक्त करती है।

चरण 2: बिंब का भाव और उत्तर कवि बच्चों की चंचलता, साहस और बंधनरहित आनंद को उड़ने की क्रिया से व्यक्त करता है। इसे बच्चों के सचमुच आकाश में उड़ने का वर्णन नहीं मानना चाहिए।

आदर्श उत्तर: पतंग उड़ाते समय बच्चे इतने उत्साहित और तन्मय हो जाते हैं कि अपनी कल्पना में स्वयं भी पतंग के साथ आकाश में उड़ने लगते हैं। उनका मन उमंग, स्वतंत्रता और साहस से भर उठता है। कवि ने इसी आनंदमय अवस्था को उड़ना कहा है।

चरण 3: निष्कर्ष बच्चों की कल्पना, उमंग और तन्मयता पतंग की उड़ान से एकाकार हो जाती है; इसीलिए कवि उन्हें भी उड़ता हुआ कहता है।

त्वरित सुझाव: उड़ने को कल्पनात्मक बिंब बताते हुए बच्चों की तन्मयता, उत्साह और स्वतंत्रता से जोड़िए।

12(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- महादेवी वर्मा का संस्मरण भक्तिन के दृढ़ व्यक्तित्व और लेखिका से उसके आत्मीय संबंध को सामने लाता है।
- भक्तिन शहरी जीवन में रहते हुए भी अपने ग्रामीण संस्कार और खानपान की आदतें बनाए रखती है।

चरण 1: परिवर्तन की दिशा पहचानना भक्तिन लेखिका के संपर्क में आकर पूरी तरह शहरी नहीं बनती। उसका अपना दृढ़ स्वभाव और जीवन के विषय में निश्चित पसंद है। वह अपने देहाती संस्कारों को बनाए रखती है। इसके विपरीत महादेवी उसके स्नेह और आग्रह के कारण अपने जीवन में उसकी कई आदतों को स्थान देने लगती हैं।

चरण 2: खानपान और जीवनशैली के उदाहरण भक्तिन लेखिका को ग्रामीण भोजन का अभ्यस्त बना देती है। महादेवी उसकी बनाई गाढ़ी दाल, मोटी रोटी तथा मकई के दलिये जैसे सादे भोजन को अपनाती हैं। ये उदाहरण दिखाते हैं कि भक्तिन केवल घर का काम करने वाली सेविका नहीं रही; उसकी रुचियों और घरेलू ढंग का लेखिका के दैनिक जीवन पर प्रभाव पड़ा।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर भक्तिन अपने ग्रामीण संस्कार और खानपान की आदतें छोड़कर शहरी नहीं बनी। उलटे उसने महादेवी को अपने सादे देहाती भोजन का अभ्यस्त बना दिया। महादेवी गाढ़ी दाल, मोटी रोटी और मकई के दलिये जैसे पदार्थ खाने लगीं। भक्तिन के स्नेह, आग्रह और दृढ़ स्वभाव के प्रभाव से लेखिका की दैनिक जीवनशैली में ग्रामीण सादगी बढ़ गई। इसीलिए वे अधिक देहाती हो गईं।

चरण 4: निष्कर्ष भक्तिन के आत्मीय और दृढ़ प्रभाव से महादेवी ने ग्रामीण खानपान तथा सादगी को अपनाया; इसी अर्थ में वे अधिक देहाती हो गईं।

त्वरित सुझाव: उत्तर में परिवर्तन की दिशा स्पष्ट करें: भक्तिन शहरी कम बनी, महादेवी ने उसके देहाती ढंग अधिक अपनाए।

12(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'बाज़ार दर्शन' पाठ के अनुसार बाज़ार को सार्थकता कैसे लोग प्रदान करते हैं ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- जैनेंद्र कुमार के पाठ में आवश्यकता की स्पष्ट पहचान बाज़ार के सही उपयोग का आधार है।
- बाज़ार की चमक से प्रभावित होकर अनावश्यक वस्तुएँ खरीदना बाज़ारूपन बढ़ाता है।

चरण 1: सार्थक खरीदारी का आधार बाज़ार को सार्थकता वे लोग देते हैं जिन्हें अपनी जरूरत का स्पष्ट ज्ञान होता है। वे बाजार में उपलब्ध हर आकर्षक वस्तु को अपनी आवश्यकता नहीं मान लेते। उनका उद्देश्य उपयोग की वस्तु प्राप्त करना होता है, केवल अपनी क्रयशक्ति का प्रदर्शन करना नहीं। इसलिए खरीदारी में विवेक और आत्मसंयम आवश्यक हैं।

चरण 2: पाठ का उदाहरण और उसका आशय भगत जी इसका उदाहरण हैं। वे चौक के अनेक आकर्षणों से विचलित हुए बिना अपनी जरूरत की चीजें लेते हैं। उनका भरा हुआ मन बाज़ार की चमक से उत्पन्न अनावश्यक इच्छा को स्थान नहीं देता। इस व्यवहार से बाजार जरूरत पूरी करने का साधन बना रहता है और व्यक्ति वस्तुओं के आकर्षण का गुलाम नहीं बनता।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर बाज़ार को वे लोग सार्थकता देते हैं जो अपनी आवश्यकताओं को पहचानकर केवल उपयोगी वस्तुएँ खरीदते हैं। वे चमक-दमक या धन के प्रदर्शन के लिए अनावश्यक खरीदारी नहीं करते। पाठ में भगत जी ऐसे ग्राहक हैं, जो आकर्षणों से अप्रभावित रहकर जरूरत की चीजें लेते हैं। उनका संयम बाज़ार को आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन बनाता है और बाज़ारूपन को बढ़ने नहीं देता।

चरण 4: निष्कर्ष आवश्यकता पहचानने वाले विवेकी और संयमी ग्राहक बाज़ार को सार्थकता देते हैं, क्योंकि वे उसे उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति का साधन बनाए रखते हैं।

त्वरित सुझाव: आवश्यकता, संयम और भगत जी का उदाहरण जोड़कर स्पष्ट करें कि सार्थक खरीदारी कैसे बाज़ारूपन रोकती है।

12(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

पहलवान की ढोलक मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार किस प्रकार करती थी ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी में महामारी से त्रस्त गाँव के लिए ढोलक आशा और संघर्ष का प्रतीक है।
- संजीवनी शक्ति का अर्थ यहाँ रोग मिटाना नहीं, निराश मन में साहस और जीवट जगाना है।

चरण 1: महामारी से उत्पन्न निराशा समझिए गाँव के लोग महामारी, साधनों के अभाव और लगातार होती मृत्यु से भयभीत तथा असहाय थे। रात का सन्नाटा उनकी निराशा को और बढ़ाता था। इसी भयावह वातावरण को पहलवान की ढोलक की ध्वनि चुनौती देती थी।

चरण 2: सजीव स्मृति से पैदा हुए उत्साह को समझिए दंगल की स्मृति लोगों को पहलवान के संघर्ष और साहस से जोड़ती थी। बीमारी के कारण वे स्वयं लड़ने में असमर्थ थे, फिर भी ढोलक की ताल उन्हें भीतर से हार मानने नहीं देती थी। इसीलिए कहानी में शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल नाचने और शिथिल स्नायुओं में बिजली दौड़ने का चित्र आता है। यह जीवन के प्रति जागती हुई चेतना का संकेत है।

चरण 3: ढोलक का मानसिक प्रभाव पहचानिए ढोलक सुनकर बूढ़ों, बच्चों और जवानों की आँखों के सामने दंगल का दृश्य आने लगता था। उनकी शिथिल नसों में उत्साह दौड़ता और मृत्यु का भय कम होता था। ढोलक औषधि नहीं थी; उसका प्रभाव मनोबल पर था।

चरण 4: निष्कर्ष महामारी से उजड़े गाँव में पहलवान की ढोलक रात के भयावह सन्नाटे को चुनौती देती थी। उसकी ताल सुनकर असहाय लोगों की आँखों में दंगल के दृश्य उभरते और निर्बल शरीरों में उत्साह जागता था। वह रोग नहीं मिटाती थी, लेकिन निराशा तथा मृत्यु का भय दूर कर उनमें जीने और संकट से जूझने का साहस भर देती थी।

त्वरित सुझाव: संजीवनी शक्ति समझाते समय उत्साह, संघर्ष और मृत्यु के भय से मुक्ति जोड़िए; ढोलक को रोग का उपचार मत बताइए।

13(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार भक्तिन के पास देर से क्यों भेजा होगा ? पाठ के आधार पर लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- महादेवी वर्मा के संस्मरण में भक्तिन की विमाता की ईर्ष्या और संपत्ति के प्रति स्वार्थ उजागर होता है।
- पिता का भक्तिन के प्रति गहरा स्नेह विमाता की ईर्ष्या का मुख्य कारण था।

चरण 1: पारिवारिक संबंध का कारण समझिए भक्तिन के पिता उससे अगाध प्रेम करते थे। विमाता इस स्नेह से ईर्ष्या रखती थी। इसलिए उसने भक्तिन को पिता की गंभीर बीमारी की सूचना तुरंत देना आवश्यक नहीं समझा। उत्तर में केवल सामान्य उपेक्षा बताने के स्थान पर ईर्ष्या का कारण भी स्पष्ट करना चाहिए।

चरण 2: संपत्ति से जुड़ा स्वार्थ जोड़िए विमाता संपत्ति अपने नियंत्रण में रखना चाहती थी। उसे आशंका रही होगी कि भक्तिन के समय पर आ जाने से संपत्ति पर उसका दावा सामने आएगा। पाठ में बीमारी की खबर उस समय भेजने का उल्लेख है जब वह मृत्यु की सूचना बन चुकी थी।

चरण 3: निष्कर्ष भक्तिन के पिता उससे अगाध प्रेम करते थे, जिससे विमाता ईर्ष्या करती थी। वह संपत्ति पर अपना अधिकार बनाए रखना चाहती थी। इसी स्वार्थ और ईर्ष्या के कारण उसने बीमारी का समाचार इतनी देर से भेजा कि वह मृत्यु की सूचना बन गया।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पिता का स्नेह, विमाता की ईर्ष्या और संपत्ति का स्वार्थ—तीनों कारणों का संबंध स्पष्ट कीजिए।

13(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

डॉ. आंबेडकर ने किन विशेषताओं को आदर्श समाज की धुरी माना है और क्यों ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- डॉ. आंबेडकर के आदर्श समाज का आधार स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता है।
- लोकतांत्रिक जीवन में परस्पर संपर्क, समान अवसर और दूसरे के प्रति आदर आवश्यक हैं।

चरण 1: आदर्श समाज के आधार पहचानिए आंबेडकर स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता को आदर्श समाज की धुरी मानते हैं। स्वतंत्रता से व्यक्ति अपना कार्य चुन और क्षमता विकसित कर सकता है। समता का आशय जन्म अथवा जाति के कारण किसी को अवसरों से वंचित न करना है।

चरण 2: इन आधारों की आवश्यकता समझिए भ्रातृता लोगों के बीच अपनत्व, संपर्क और परस्पर सम्मान स्थापित करती है। ऐसे समाज में एक भाग का परिवर्तन दूसरे भागों तक पहुँच सकता है। स्थायी जातिगत बंधन इस सहभागिता को रोकते हैं; इसलिए आदर्श समाज गतिशील और सबके विकास के लिए खुला होना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष डॉ. आंबेडकर ने स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता को आदर्श समाज की धुरी माना है। इनसे व्यक्ति को विकास के समान अवसर मिलते हैं, सामाजिक भेदभाव घटता है तथा लोगों में परस्पर सम्मान, संपर्क और सहयोग बढ़ता है। समाज गतिशील तथा लोकतांत्रिक बनता है।

त्वरित सुझाव: तीनों आधार लिखने के बाद उनके परिणाम जोड़िए: समान अवसर, परस्पर सम्मान और समाज की गतिशीलता।

13(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'शिरीष' की किस विशेषता के कारण लेखक वनस्पतिशास्त्री के कथन को सच मानता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हजारीप्रसाद द्विवेदी शिरीष की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी खिलते रहने की क्षमता से प्रेरित हैं।
- वनस्पतिशास्त्री का कथन शिरीष के वायुमंडल से रस ग्रहण करने के विषय में है।

चरण 1: वनस्पतिशास्त्री का कथन स्पष्ट कीजिए वनस्पतिशास्त्री ने लेखक को बताया था कि शिरीष उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। प्रश्न का उत्तर इसी कथन से संबंधित विशेषता पर केंद्रित होना चाहिए; पुराने फलों की कठोरता यहाँ उत्तर का आधार नहीं है।

चरण 2: विशेषता और कथन का संबंध जोड़िए भीषण गर्मी तथा लू में, जब धरती और आकाश तपते हैं, तब भी शिरीष हरा रहता और कोमल फूल उत्पन्न करता है। लेखक इस ताजगी और सुकुमारता को देखकर वनस्पतिशास्त्री की बात सच मानता है। कठिन वातावरण में भी उसका खिला रहना निर्णायक विशेषता है।

चरण 3: निष्कर्ष भीषण गर्मी और लू में भी शिरीष हरा रहता तथा कोमल तंतुजाल और सुकुमार केसर वाले फूल उगाता है। उसकी इसी जीवंतता के कारण लेखक वनस्पतिशास्त्री का कथन सच मानता है कि यह वृक्ष वायुमंडल से अपना रस खींचता है।

त्वरित सुझाव: वनस्पतिशास्त्री का कथन वायुमंडल से रस लेने का है; उसे गर्मी में भी कोमल फूल खिलने से जोड़िए।